पटना ● गुरुवार , 20 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः45 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान... 3 www. bordernewsmirror.com ब्लैक शॉर्टस पहन अवनीत... 7

बिहार में आरजेडी से टफ डील की तैयारी

● कांग्रेस ने बदली रणनीति, कई सीटों पर होगी आलाकमान की नजर

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी रणनीति बदलने की तैयारी कर रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी और लालू यादव के नेतृत्व वाला दल राष्ट्रीय जनता दल बिहार में गठबंधन में चुनाव लड़ता आ रहा है। एनडीए से अलग होने के बाद नीतिश कुमार के साथ भी यह दोनों पार्टियां चुनाव लड़ चुकी है। 90 के दशक के बाद जब से कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व बिहार में कमजोर हुआ है, वह राजद के भरोसे ही चुनावी मैदान में कूदती है। हालांकि, कांग्रेस ने हाल के दिनों में अपनी रणनीति में बदलाव किया है। दिल्ली चुनाव में इसकी झलक देखने को मिली है। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस समझौते के मूड में नहीं दिख रही है। पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ेगी लेकिन घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में पार्टी इस बार ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने की जिद के बजाय जीत की अधिक संभावना वाली सीट हासिल करने की कोशिश करेगी। इससे पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीट पर जीत हासिल कर सकेगी।

हरियाणा में कांग्रेस को लगा फिर नया झटका

निकाय चुनाव से पहले छोड़ गए 50 नेता, मनाने पर भी नहीं माने

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा में 2 मार्च को निकाय चुनाव होने हैं और उससे पहले करनाल में कांग्रेस को करारा झटका लगा है। कांग्रेस के करीब 50 नेताओं ने भाजपा जॉइन कर ली है। इस दौरान चीफ मिनिस्टर नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद थे। भाजपा से जुड़ने वाले नेताओं में हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन त्रिलोचन सिंह, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक खुराना, करनाल नगर निगम के पूर्व चेयरपर्सन बलविंदर कालरा शामिल थे। इसके अलावा आप लीडर संजय बिंदल, कांग्रेस के ओबीसी सेल के जिलाध्यक्ष संजय चंदेल के अलावा कई पूर्व पार्षदों ने भी भाजपा जॉइन कर ली। कांग्रेस नेता निट्टू मान ने भी भाजपा जॉइन कर ली। करनाल सीट को भाजपा का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस के कुछ और नेताओं के आने से पार्टी मजबूत होगी। यहां से भाजपा ने रेनू बाला गुप्ता को मेयर कैंडिडेट बनाया है। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, मैं भाजपा के नेताओं का स्वागत करता हूं। आप लोगों के समर्थन से हमारी ताकत बढ़ेगी और हम पूरे समर्पण के साथ जनता की सेवा कर सकेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप का शांति समझौता यूक्रेन को बना देगा अपाहिज

रूस को फायदा ही फायदा, जंग खत्म करने के लिए मानेंगे जेलेंस्की है सस्पेंस

कीव/वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि अगर वो सत्ता में आते हैं तो फौरन रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म करवा देंगे। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था। जब पुतिन के आदेश के बाद रूस की सेना ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था। ये युद्ध अब इस महीने चौथे साल में प्रवेश कर रहा है। इस बीच सऊदी अरब के रियाद में यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच काफी अहम मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत की गई है लेकिन इस बैठक के बाद जो बातें निकलकर सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि शांति समझौते से यूक्रेन के हाथों में कुछ नहीं आने वाला है, जबकि रूस को सिर्फ फायदा हो रहा है और जेलेंस्की का देश, जो पिछले तीन सालों में युद्ध से तबाह हो चुका है, वो पूरी तरह से अपाहिज हो जाएगा। बहुत कम संभावना है कि रूस और अमेरिका अधिकारियों के बात जेलेन्स्की माने।

हम एक दूसरे से बात करेंगे तो ही संदेह दूर हो पाएंगे

● आर्मी चीफ बोले-हमने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है ● जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राहुल गांधी से कहा-सेना को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को नसीहत दी है। उन्होंने बुधवार को कहा कि सेना को राजनीति में नहीं घसीटना नहीं चाहिए। ऐसा हुआ तो यह चिंता की बात होगी। उन्होंने पॉडकास्ट में कहा कि हमने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर हमने बातचीत को बढ़ावा दिया है। यदि हम एक दूसरे से बात करेंगे तो बहुत से संदेह दूर हो पाएंगे। हमारी यह राय रही है कि किसी भी तरह से संदेह को खत्म किया जाए। इसके लिए हमने कोर कमांडर्स को ताकत दी है कि जहां भी संभव हो, वे फैसला ले लें। यदि बातचीत से कोई मसला हल होता है तो कर लिया जाए। उन्हें यह पावर दी गई है कि यदि उनके लेवल से कोई मामला हल हो

सकता है तो वे कर लें। उसके लिए किसी भी तरह की मंजूरी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के उस बयान पर भी जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा था कि लद्दाख सेक्टर में घुसपैठ हुई थी। इस पर उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए। वहीं महिलाओं को देवी काली की तरह सेना में शामिल करने की अपनी टिप्पणी पर एक बार फिर से उन्होंने बात की। जनरल द्विवेदी ने कहा कि मेरा भाव यह था, जो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के लिए कहा गया था- बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। बता दें कि महिलाओं को सेना में शामिल करने के वह हिमायती रहे हैं।

दिल्ली फतह के बाद रिलैक्स मूड में नहीं पीएम मोदी

पटना (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में करीब तीन दशक बाद जीत हासिल करने वाली भाजपा ने जश्न मना लिया है और अब फिर से चुनावी अभियान में जुट गई है। खासतौर पर पार्टी के शीर्ष नेता पीएम नरेंद्र मोदी किसी भी तरह से रिलैक्स के मूड में नहीं हैं। अब वह बिहार, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों पर फोकस कर रहे हैं। बिहार में तो इसी साल अक्टूबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके अलावा असम और तमिलनाडु में अगले साल इलेक्शन होगा। इन राज्यों को लेकर पहले से ही भाजपा तैयारी में है और 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर से पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। भागलपुर में रैली को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसके अलावा असम भी वह 24 फरवरी को ही जाएंगे। असम और तमिलनाडु में चुनाव लगभग एक साल दूर है, लेकिन पीएम मोदी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते। इसी के चलते वह असम जाएंगे तो फिर वहीं 28 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम भी पहुंच रहे हैं। वह यहां पर पंबन पुल का उद्घाटन करेंगे,जो रामेश्वरम को जोड़ेगा।

● तीन राज्यों के चुनाव पर गड़ाई नजर,24 से शुरू करेंगे अभियान

● पार्टी ने बनाया तगड़ा प्लान, मैराथन दौरे का पहला पड़ाव बिहार

एमपी में मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत 4 ढेर

बालाघाट में चारों शव बरामद कुछ घायल जंगल में छिपे

बालाघाट (एजेंसी)। बालाघाट के गढ़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत 4 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ घायल नक्सली जंगल की ओर भाग गए। पुलिस इलाके में सर्चिंग कर रही है। सूपखार वनक्षेत्र के रौंदा फॉरेस्ट कैंप के पास पुलिस और हॉक फोर्स ने ये कार्रवाई की है।

राजस्थान के बजट में युवाओं पर फोकस

● वित्तमंत्री दीया कुमारी ने पेश किया बजट,1.25 लाख नौकरियों का ऐलान

जयपुर (एजेंसी)। प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल दिए हैं। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने आगामी वर्ष में 1 लाख 25 हजार नई सरकारी नौकरियों के लिए युवाओं की भर्ती का ऐलान किया है। सरकारी नौकरी के साथ ही निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देने की बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में 1 लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को विशेष आरक्षण दिए जाने की भी घोषणा की गई है। यानी पुलिस, जेल और वन विभाग की भर्तियों में अग्निवीरों को आरक्षण दिया जाएगा। सरकार ने राज्य में नई रोजगार नीति लाए जाने की भी घोषणा की है।

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे,शपथ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। ऋस्स ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे भाजपा ने मान लिया है। प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे। पार्टी के दोनों पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ पार्टी दफ्तर में विधायकों से एक-एक करके बात की, फिर उनके नाम का ऐलान किया। विजेंद्र गुप्ता विधानसभा स्पीकर होंगे। विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 11 दिन बाद आज शाम 7 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो गया है। मुख्यमंत्री की शपथ कल गुरुवार (20 फरवरी) को रामलीला मैदान में दोपहर 12.35 बजे होगी। दिल्ली के मुख्य सचिव की तरफ से भेजे गए निमंत्रण में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रियों की शपथ का भी जिक्र है।

महाकुंभ में फिर बढ़ी भीड़, लगा लंबा जाम

यमुना ब्रिज पर लंबा जाम,10 किमी पहले रोक रहे गाड़ियां

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के 38वें दिन यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने संगम में डुबकी लगाई। हालांकि, राहुल गांधी और प्रियंका नहीं आए। अजय राय से रविवार को इटावा में पूछा गया था कि राहुल और प्रियंका कब महाकुंभ जाएंगे। इस पर उन्होंने कहा था- 19 फरवरी को हम लोग जा रहे हैं। हर-हर महादेव होगा। संगम पर नावों का जाम लगा है। महाकुंभ की ओर आने वाले हाईवे जाम हैं। न्यू यमुना ब्रिज पर करीब 4 किमी लंबे जाम में लोग तीन घंटे तक फंसे रहे। एक ओर आम श्रद्धालुओं को शहर से 10 से 12 किमी पहले पार्किंग में रोक दिया जा रहा तो दूसरी ओर वीआईपी की गाड़ियां अरैल घाट तक जाने दिया जा रहा है। प्रयागराज की रजिस्टर्ड (यूपी 70) गाड़ियों को शहर

में एंट्री दी जा रही है। एक ओर ट्रैफिक में श्रद्धालु परेशान हैं तो दूसरी ओर कानून व्यवस्था संभालने वाले खुद नियम तोड़ रहे हैं। एक पुलिसकर्मी डिवाइडर पर चढ़ाकर अपनी बुलेट रॉन्ग साइड दूसरी लेन पर ले गया। इसके बाद आगे बढ़ गया। बुधवार सुबह पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा नकवी ने संगम में डुबकी लगाई। दोपहर 2 बजे तक 80.20 लाख श्रद्धालु संगम में स्नान किया। महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। अब तक कुल 56.36 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। एक्ट्रेस निमरत कौर महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने संगम स्नान किया।

संगम का पानी नहाने ही नहीं, पीने लायक भी है

योगी बोले-महाकुंभ को बदनाम करने की हो रही साजिश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में संगम के पानी की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान दो टूक कहा कि संगम का पानी न सिर्फ नहाने योग्य है, बल्कि आचमन (पीने) के लिए भी उपयुक्त है। यह महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनजीटी के सामने रिपोर्ट पेश करते हुए दावा किया था कि महाकुंभ में संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। पानी में फेकल कॉलीफॉर्म का लेवल जरूरी गुणवत्ता के हिसाब से नहीं है। यूपी सीएम ने कहा कि त्रिवेणी के पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं... संगम और उसके आसपास के सभी पाइप और नालों को टेप किया गया है और पानी को शुद्ध करने के बाद ही छोड़ा जा रहा है। उन्होंने विधानसभा में आगे कहा,यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। आज की रिपोर्ट के अनुसार संगम के पास सीपीसीबी की मात्रा 3 से कम है।

● महाकुंभ को भव्यता से करना अपराध है तो यह अपराध बार बार करेंगे- वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) पर महाकुंभ के आयोजन के बारे में अनर्गल प्रलाप का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर सनातन परंपरा के इस आयोजन को भव्यता से करना कोई अपराध है, तो उनकी सरकार इस अपराध को बार बार करना चाहेगी। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में 56 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में आस्था की पावन डुबकी लगा चुके हैं मगर कुछ लोग सनातन धर्म के खिलाफ, मां गंगा, भारत की आस्था के खिलाफ कोई अनर्गल प्रलाप करते हैं।

सनातन के बाद अब हिंदी के विरोध में उदयनिधि

स्टालिन के पुत्र बोले-इसने खत्म कर दीं कई भाषाएं

चेन्नई (एजेंसी)। खुले मंच से सनातन धर्म के विरोध के बाद अब तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के निशाने पर हिंदी भाषा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि हिंदी की वजह से तमिल भाषा खत्म हो सकती है। इस दौरान उन्होंने फंड के मुद्दे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। 2023 में स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोविड जैसी बीमारियों से की थी। मंगलवार को राजधानी चेन्नई में विपक्षी गठबंधन इंडिया के दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान स्टालिन ने कहा,हिंदी ने उत्तर में राज्यों की स्थानीय भाषा जैसे राजस्थानी, हरियाणवी, भोजपुरी और अन्य बिहारी भाषाओं को खत्म कर दिया है और प्रमुख स्थानीय भाषा बन गई है। अगर तमिलनाडु में इसे लागू किया गया, तो यहां भी ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा,विदेश और प्रतिष्ठित संस्थानों में काम कर रहे लगभग 90 फीसदी तमिल ऐसे स्कूलों में थे, जहां हिंदी नहीं पढ़ाई जाती। उन्होंने कहा कि बीते 100 सालों में शिक्षा और हिंदी लागू करने के मुद्दे पर तमिलनाडु में बड़े प्रदर्शन हुए हैं।

दिल्ली मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होंगे नीतीश कुमार !

पटना, एजेंसी। दिल्ली में बीजेपी ने 27 सालों के बाद विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है. अब 20 फरवरी को दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है. इसमें बिहार के सीएम नीतीश कुमार के शामिल होने की संभावना कम ही बतायी जा रही है. दिल्ली मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी की तरफ से दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी शामिल होंगे.

दिल्ली गए थे सीएम नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अभी हाल ही में दिल्ली की यात्रा की थी और चर्चा थी कि प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात हो सकती है. हालांकि मुलाकात नहीं हुई और मुख्यमंत्री शादी समारोह अटेंड करने के बाद दूसरे दिन पटना लौट आए. इससे पहले भी मुख्यमंत्री दिल्ली दौरे में भाजपा नेताओं के साथ मुलाकात नहीं कर पाए थे. एनडीए की बैठक में भी मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए थे और अब दिल्ली मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में जहां एनडीए के सभी घटक दल के नेता मौजूद रहेंगे, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर से अनुपस्थित रहेंगे.

20 फरवरी को नालंदा में प्रगति यात्रा

जानकारी के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह के लिए एनडीए के सभी वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया है. मिल रही जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी आमंत्रण भेजा गया है, लेकिन मुख्यमंत्री इन दिनों प्रगति यात्रा में व्यस्त हैं. 20 फरवरी को मुख्यमंत्री की गृह जिले नालंदा में प्रगति यात्रा करना है. इसलिए मुख्यमंत्री दिल्ली में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होंगे. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री की तरफ से जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा के सांसद संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह शामिल होंगे. नीतीश कुमार के नजदीकी जदयू एमएलसी संजय गांधी ने कहा कि, मुख्यमंत्री 21 फरवरी तक प्रगति यात्रा में है और अब प्रगति यात्रा मुख्यमंत्री नहीं छोड़ेंगे. मुख्यमंत्री पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह में भेजेंगे.

सीएम नीतीश कहां गए कहां नहीं ?

बता दें कि, इससे पहले 5 दिसंबर 2024 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर जब देवेंद्र फडणवीस ने शपथ ग्रहण किया था उसमें नीतीश कुमार शामिल हुए थे. इस दौरान पीएम मोदी से मुलाकात भी हुई थी. हालांकि उसके पहले 17 अक्टूबर 2024 को जब हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में नायाब सिंह सैनी ने शपथ ली थी उसमें नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे. उनके प्रतिनिधि के रूप में संजय झा और ललन सिंह पहुंचे थे.

संक्षिप्त समाचार

जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र को लेकर किसानों का विरोध

मुजफ्फरपुर में 788 एकड़ जमीन को लेकर धरना, किसानों की मांग

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में नए औद्योगिक क्षेत्र के विरोध में किसान सड़कों पर उतर आए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पारु प्रखंड के तीन गांवों में 788 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल एरिया बनाने का प्रस्ताव पास किया था। जिला प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दौरान सर्किल ऑफिसर को ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। किसानों का कहना है कि वे अपनी उपजाऊ भूमि नहीं देंगे। किसान संजीव कुमार ने बताया कि इस जमीन पर आलू, प्याज और मकई जैसी कई फसलें उगाई जाती हैं। उनका मानना है कि फैक्ट्री लगने से विकास नहीं, बल्कि विनाश होगा। किसान अब्दुल समद के अनुसार, यहां की जमीन बेहद उपजाऊ है। गेहूं, धान, लहसुन समेत हर तरह की फसल यहां उगाई जाती है। प्रति कट्ठा 80 से 90 किलो तक उपज होती है। आस-पास के जिलों में भी यहां की फसलें बेची जाती हैं। किसानों की मांग है कि सरकार बंजर भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करे। वे अपनी खेती की जमीन बचाने के लिए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों ने कहा है कि वे अपनी जान दे देंगे, लेकिन जमीन नहीं देंगे।

महाकुंभ जा रहे युवक की मौत:दुर्गावती स्टेशन के पास हादसा

● ट्रेन से गिरने पर गई जान

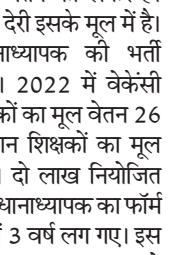

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के दुर्गावती रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के अड़सर गांव निवासी अमन कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने दुर्गावती पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत भभुआ रोड जीआरपी को सूचित किया। जीआरपी ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया। मृतक के चाचा अमरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अमन कुंभ स्नान के लिए रोहतास से ट्रेन में सवार हुआ था। ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के कारण वह दुर्गावती रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से गिर गया। जीआरपी की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे।

प्रधान शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में देरी से उपजी वेतन विसंगति

● पद बढ़ा पर वेतन घटा, नतीजा ज्वॉइन ही नहीं कर रहे

पटना, एजेंसी। बिहार में 15 हजार नियोजित शिक्षक परीक्षा पास कर प्रधान शिक्षक बने। लेकिन ये ज्वॉइन नहीं कर रहे। द्वंद्व वेतन को लेकर है। दरअसल, भर्ती प्रक्रिया में हुई देरी इसके मूल में है। प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक की भर्ती नियमावली 2021 में बनी। 2022 में वेकेंसी निकली। तब नियोजित शिक्षकों का मूल वेतन 26 हजार रुपए था, जबकि प्रधान शिक्षकों का मूल वेतन 930,500 तय हुआ। दो लाख नियोजित शिक्षकों ने प्रधान शिक्षक व प्रधानाध्यापक का फॉर्म भरा। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में 3 वर्ष लग गए। इस दौरान शिक्षकों का मूल वेतन 31,340 रुपए हो गया; जबकि वैकेंसी के मुताबिक प्रधान शिक्षकों का वेतन 30,500 रुपए ही रहा। अब प्रधान शिक्षक के पद को लेकर नियोजित शिक्षक उहापोह में फंस गए हैं कि ज्वॉइन करें या न करें। ज्वॉइन करेंगे तो जो वेतन मिल रहा है वह 4000 से 5000 रुपए घट जाएगा। प्रधान शिक्षक और पुराने नियोजित शिक्षकों के मूल वेतन में भी 850 रुपए का अंतर है। प्रधान शिक्षक के लिए चयनित नियोजित शिक्षकों का कहना है कि वेतन की बढ़ोतरी एक नियम के मुताबिक होती है।

सास के सामने बहू का गला रेता, पति गया था महाकुंभ, देवर ने भाभी की कर दी हत्या

गया, एजेंसी। बिहार के गया में महिला की हत्या कर दी गई. युवक ने अपनी ममेरी भाभी को चाकू से गला रेतकर मार डाला. आरोपी ने घर में घुसकर महिला की सास के सामने ही इस वारदात को अंजाम दिया है. घटना के बाद से आरोपी फरार है. वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है. एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है.

देवर ने ममेरी भाभी को मार डाला

यह घटना गया जिले के डुमरिया प्रखंड के भदवर थाना क्षेत्र की है. जानकारी के अनुसार भदवर थाना के नंदई गांव में मंगलवार की शाम अनुज पासवान अपनी ममेरी भाभी से मिलने नंदई गांव आया था. इस दौरान अनुज और उसकी ममेरी भाभी सविता के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया. विवाद के बाद आरोपी ने अपने पास से चाकू निकालकर भाभी की गला रेतकर हत्या कर दी.

सास के सामने बहू का गला रेता: इस घटना को मृतक महिला की सास के सामने ही अंजाम दिया गया है. हालांकि सास ने आरोपी को रोकने की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुका और सास के सामने ही बहू की गला रेतकर हत्या कर दी. घटना के बाद वह घर की छत के रास्ते से फरार हो गया.

महाकुंभ गया था मृतक का पति

जानकारी के अनुसार मृतक महिला का पति रंजीत पासवान पेशे से वाहन का चालक है. वह इन दिनों प्रयागराज स्थित महाकुंभ गया हुआ है. इसी बीच मंगलवार को रंजीत की पत्नी सविता से मिलने आए ममेरे देवर अनुज पासवान ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया और फिर भाग निकलने में सफल रहा. उसके भागने के बाद सास ने इस घटना की जानकारी गांव के लोगों को दी.

हत्या की वजह स्पष्ट नहीं

इस घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है. पुलिस इस घटना को प्रेम प्रसंग के पहलू से भी जोड़कर देख रही है. वहीं, इस घटना के बाद नंदई गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है. एफएसएल की मदद से इस मामले की जांच की जा रही है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है. इमामगंज एसडीपीओ अमित कुमार का कहना है कि 29 वर्षीय विवाहिता सविता देवी की हत्या उसके ममेरे देवर अमित पासवान ने कर दी है. घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना में प्रयुक्त चाकू और अन्य सामान को बरामद किया है. घटना करने वाला ममेरा देवर फरार हो गया है. जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी.

बिहार में धान खरीद का नया कीर्तिमान स्थापित, फिर भी लक्ष्य से पीछे है सरकार

पटना, एजेंसी। पिछले तीन सालों से बिहार सरकार धान खरीद का लक्ष्य 45 लाख मीट्रिक टन रखती रही है लेकिन कभी भी यह लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है. इस बार बिहार सरकार का दावा है कि 2024-25 में धान खरीद में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है. बिहार में 39.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जो पिछले साल के 30 लाख मीट्रिक टन से काफी अधिक है. हालांकि सरकार ने 45 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा था, जिसका लगभग 87.2 प्रतिशत ही खरीदी हो सकी है लेकिन इसके बावजूद सरकार इसे अपनी उपलब्धि बता रही है.

पिछले वर्ष से 30प्रतिशत अधिक धान की खरीद: बिहार सरकार ने धान की खरीद भले ही लक्ष्य से कम किया है लेकिन पिछले साल के मुकाबले वर्तमान वित्तीय वर्ष में 9 लाख मैट्रिक टन अधिक धान की खरीद हुई है. पिछले साल बिहार सरकार ने 30 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था, जो लक्ष्य का 66.7 प्रतिशत था. वहीं, इस साल धान की खरीद में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. खाद्य आपूर्ति विभाग और सहकारिता विभाग के संयुक्त प्रयास से इस बार अधिक धान की खरीद की जा सकती है.

धान खरीदी में सबसे आगे भोजपुर जिला: खाद्य आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश के बाद किसानों को धान बेचने में कोई परेशानी ना हो, इसकी कोशिश की गई है और उन्हें डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया गया है. भोजपुर में सबसे अधिक 39.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जोकि खरीदी के मामले में 105 फीसदी रही.

किन जिलों में कितनी खरादी?: धान खरीद में टॉप जिलों में लखीसराय, मधेपुरा, नालंदा, पटना, सहरसा, शेखपुरा, शिवहर, सिवान, सुपौल, अरवल, बांका, बेगूसराय, पूर्वी चंपारण, गया जैसे जिले शामिल

हैं. इन जिलों में लक्ष्य के 95प्रतिशत तक धान की खरीद हुई है. वहीं, 90 फीसदी से पार रहने वाले जिलों में जमुई, अररिया, पश्चिमी चंपारण, सारण और मुंगेर शामिल हैं.

क्या था धान का रेट?: उत्तर बिहार में 1 नवंबर 2024 से धान की खरीद की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जो 15 फरवरी 2025 तक चली. बिहार सरकार ने इस बार साधारण धान के लिए 2300 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2320 रुपये प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की थी. पिछले वर्ष साधारण धान की कीमत 2183 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि ग्रेड-ए धान की कीमत 2203 रुपये प्रति क्विंटल थी. दक्षिण बिहार के किसानों से 15 नवंबर से खरीद शुरू हुई थी और 15 फरवरी तक की गई.

किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन: बिहार सरकार की ओर से इस बार धान की बिक्री करने वाले निर्बंधित किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन किया गया. तय किया गया कि रैयती किसान अधिकतम 250 क्विंटल धान की बिक्री कर सकेंगे, जबकि गैर रैयती किसान अधिकतम 100 क्विंटल धान बेच सकेंगे. किसानों को खरीद के 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाएगा और किसी भी परिस्थिति में धान का बकाया नहीं रखा जाएगा.

खो खो विश्व कप में भारत को स्वर्ण पद दिलाकर बिहार लौटीं मोनिका साह, भागलपुर में भव्य स्वागत

भागलपुर, एजेंसी। खो-खो की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाली मोनिका साह का नवगछिया में भव्य स्वागत किया गया. जब मोनिका नवगछिया पहुंची तो पूरे इलाके में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ पड़ी. स्थानीय लोग व नवगछिया अध्यक्ष प्रीति कुमारी एवं युवा समाजसेवी प्रेम सागर उर्फ डब्लू यादव एवं ताई कमांडो के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेंट्स फाइटर की ओर से सम्मानित किया गया.

प्यार और सम्मान से खुशी

नवगछिया की चैंपियन बेटी मोनिका ने कहा कि नवगछिया पहुंच कर बहुत अच्छा लग रहा है. लोगों का प्यार और इतना सम्मान मिला. लोग मुझे देख कर मोटिवेट हो रहे हैं. मैं बच्चों का प्रेरणा स्रोत भी हूं कि दीदी यदि वर्ल्ड स्तर पर खेल सकती है तो मैं भी खेल सकती हूं. बहुत अच्छा लग रहा है. इसका पूरा श्रेय मेरे माता पिता को जाता है. छोटे से गांव से हूं, जहां बहुत चीजों का अभाव है. उस अभाव में भी मैं वर्ल्ड स्तर पर पहुंची हूं. सरकार बहुत अच्छी है, हमे पूरा आश्वासन मिला है कि एक अच्छी जॉब मिलेगी जो एक अच्छे खिलाड़ी की मिलती है. - मोनिका साह, खो-खो खिलाड़ी

मेडल लाओ नौकरी पाओ की तारीफ

मेडल लाओ नौकरी पाओ योजना पर कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने इतना बढ़िया स्कीम लाए हैं. यह एक खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ा तोहफा है. बता दें कि बिहार में साल 2024 में कई खिलाड़ियों को सरकारी नौकर दी गयी. ज्यादातर पुलिस विभाग में खिलाड़ी कौ नौकरी दी गयी.

भारत को स्वर्ण पदक दिलायी

मोनिका मूल रूप से नवगछिया के गोपालपुर प्रखंड अंतर्गत डिमहा गांव की रहने वाली है. हाल ही में दिल्ली में आयोजित खो-खो वर्ल्ड कप चैंपियनशिप में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलायी. इस प्रतियोगिता में कई देशों की टीमें शामिल थी, लेकिन भारत की बेटियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को चैंपियन बनाया.

बिहार को गर्व

मोनिका की इस सफलता पर बिहार समेत पूरे देश में खुशी की लहर है. खेल जगत में बिहार को नयी पहचान मिल रही है. खो-खो जैसे भारतीय खेलों में भी अपनी पहचान बना रहा है. मोनिका की यह उपलब्धि न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है.

छपरा में युवक की निर्मम हत्या, नदी किनारे इस हालत में मिला शव

सारण, एजेंसी। बिहार के छपरा में हत्या की घटना सामने आयी है. एक युवक की गला रेतकर जान ले ली गयी. घटना जिले के मशरक नगर पंचायत की है. बदमाशों ने बेरहमी से चाकू से गला रेत दिया. मृतक की पहचान मशरक जंक्शन पूरब टोला गांव निवासी मोहन बासफोर(35) के रूप में हुई है, जो नगर पंचायत में सफाई कर्मी का काम करता था. सोमवार से था गायब: घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि वह सोमवार की शाम 4 बजे से गायब था. जब देर रात तक घर नहीं आया तो उसकी खोजबीन शुरू की गयी, लेकिन कुछ नहीं पता चला. सुबह तक घर नहीं लौटा था. इसी दौरान शव मिलने की सूचना मिली. नदी किनारे शव मिला: मंगलवार की सुबह में जब लोग शौच करने गए तो गोगरी नदी किनारे शव देखा. वह शव मोहन बासफोर का ही था. इसके बाद लोगों ने परिवार के लोगों और पुलिस को सूचना दी है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतक का बड़ा भाई बसंत बासफोर ने बताया कि मरने वाला मेरा छोटा भाई है. कल शाम से गायब था. हमलोग रातभर खोजबीन किए लेकिन नहीं मिला. सुबह में पता चला कि उसका शव मिला है. नगर निगम में काम करता था. हत्या क्यों की गयी इसकी जानकारी नहीं है. फोरेंसिक टीम कर रही छानबीन: जानकारी मिलने के बाद मशरक डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक सिंह और थाना प्रभारी अजय कुमार घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन कर जानकारी ली. घटनास्थल पर जांच के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है.

हिंदू शेरनी नाम से फेमस खुशबू पांडे गिरफ्तार, जमुई हिंसा के बाद पुलिस का बड़ा एक्शन

जमुई, एजेंसी। बिहार में जमुई हिंसा के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. हिंदू शेरनी नाम से फेमस खुशबू पांडे को गिरफ्तार कर लिया गया है. मलयपुर थाना क्षेत्र स्थित घर से पुलिस ने खुशबू को गिरफ्तार किया है. उसके पिता को भी हिरासत में लिया गया. हालांकि बाद में उनको पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया. सोमवार की रात को ही खुशबू को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है.

मोबाइल लोकेशन के आधार पर गिरफ्तारी: खुशबू पांडे की गिरफ्तारी के लिए गिद्धौर, झाझा, बरहट और मलयपुर थाने की संयुक्त रूप से टेक्निकल टीम गठित की गई थी. पुलिस के मुताबिक मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है. वहीं, मेडिकल जांच के बाद रात को ही उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. खुशबू पांडे पर भड़काऊ भाषण का आरोप: जमुई पुलिस ने हिंसा भड़काने के आरोप में खुशबू पांडे को उसके घर से गिरफ्तार

किया है. उस पर आरोप है कि उसने भड़काऊ भाषण दिया, जिस वजह से हिंसा भड़की है. अब तक इस मामले में कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. वहीं मंगलवार शाम को जिले में इंटरनेट सेवा बहाल कर दिया गया है.

कौन है खुशबू पांडे?: खुद को हिंदू शेरनी कहने वाली खुशबू पांडे जमुई के मलयपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है. वह हिंदू स्वाभिमान संगठन की संयोजिका भी है. वह सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषण देकर आए दिन विवादों में रहती है.

क्या बोले एसपी?: पूरे मामले की जानकारी देते हुए जमुई पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद ने बताया कि जमुई जिले के झाझा थाना अंतर्गत बलियाडीह गांव में दो समुदाय के बीच झड़प हुई थी, जिसमें दो-तीन लोग घायल हो गए थे. गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया था. इस मामले में पुलिस दोषियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है.

हनुमान चालीसा पाठ के बाद बवाल : एसपी ने बताया कि एक समुदाय के लोग हनुमान चालीसा पाठ के लिए बलियाडीह गांव में जमा हुए थे. कुछ स्थानीय ग्रामीण लोग और कुछ बाहरी लोग भी वहां मौजूद थे. वापसी के क्रम में झाझा थाना को सूचना मिली कि जब मस्जिद के पास से लोग गुजरे तो नाराबाजी की है. सूचना के बाद पुलिस की गस्ती टीम मौके पर पहुंची थी लेकिन किसी भी प्रकार की कोई सूचना वरीय पदाधिकारियों को नहीं दी. गस्ती टीम को लगा होगा कि वे लोग ही इसे हैंडल कर लेंगे.

दो पक्षों में झड़प के बाद भड़की हिंसा : जमुई एसपी ने कहा कि गस्ती पुलिस पार्टी ने लोगों को समझाया कि दूसरे रास्ते से चले जाएं लेकिन जब लोग नहीं माने तो आगे रहकर लोगों को वहां से निकालने का प्रयास करने लगी. इसी दौरान झड़प हो गई. एसपी ने कहा कि गस्ती टीम में जो भी पुलिसकर्मी थे, उनको निलंबित कर दिया गया है और स्पष्टीकरण भी मांगा गया है कि आखिर आपने वरीय पदाधिकारी को सूचना क्यों नहीं दी?

मामले में दो केस दर्ज

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक प्राथमिकी गांव के लोगों के बयान पर दर्ज किया गया है. जिसमें 41 लोगों को नामजद किया गया है. अन्य 50-60 लोगों पर भी केस दर्ज हुआ है. उसमें से 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. वहीं दुसरी प्राथमिकी भी दर्ज हुई है. जिसमें बिना बिना अनुमति के जुलूस-जमावड़ा लगाने और आपत्तिजनक नारा लगाने के साथ-साथ विद्वेष फैलाने की कोशिश करने का आरोप है.

50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज : झाझा थाने के उपनिरीक्षक नंदन राय ने घटना के संबंध में सात नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. गिरफ्तारी के बाद पांडे को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया और उसके बाद सोमवार रात को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और फिर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. जमुई एसपी मदन कुमार आनंद का कहना है कि दोनों मामले में कार्रवाई चल रही है. अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. घटना वाले गांव में भी शांति समिति की बैठक की गई है. अभी मामला पूरी तरह से शांतिपूर्ण है.

संक्षिप्त समाचार

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिम चंपारण के सीएचओ को दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम। बेतिया। बेतिया शहर के एक निजी सभागार में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी पीएचसी में सेवा दे रहे हैं सीएचओ अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार की अध्यक्षता में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएस, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डीसीएम राजेश कुमार ने कई महत्वपूर्ण बातों को बताया। पीएसआई इंडिया के द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। सीएस डॉ विजय कुमार के द्वारा परिवार नियोजन के प्रत्येक इंडिकेटर का सब सेंटर वाइज गहन समीक्षा की गई एवं प्रत्येक विधि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले सबसे युवा अधिकारी सीएचओ हैं जिनके कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक परिवार नियोजन की सेवा संभव हो पाता है। एसीएमओ डॉक्टर रमेश चंद्र के द्वारा बताया गया कि परिवार नियोजन के साधन दंपति के सहमति से होनी चाहिए आप सभी को दंपति को उपयुक्त मेथड का चुनाव करने में सहयोग करें। प्रत्येक महीने इसकी समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा की सभी सब सेंटर को चिन्हित किया जाए जिसमें अंतरा या कोई और भी मेथड का खर्च जीरो है। ऐसे चिन्हित सेंटर पर हमें और भी प्रयास करने की जरूरत है ताकि अनमेट नीड को कम किया जा सके। इसके लिए आप सभी का सहयोग बहुत जरूरी है।

रक्सौल आइसीपी पार्किंग में कोयला लदी ट्रक में लगी आग

बीएनएम। मोतिहारी। जिले रक्सौल स्थित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) पार्किंग में कोयला लदी एक ट्रक में आग लग गई। आग लगने के तुरंत बाद वहां मौजूद एसएसबी के जवानों ने अग्निशमन विभाग की मदद से आग पर काबू पाया,जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। एसएसबी के आईसीपी प्रभारी निरीक्षक राजवीर यादव ने बताया कि उक्त ट्रक बनारस से कोयला लेकर नेपाल के बीरगंज जा रही थी। दस्तावेजों के सत्यापन के लिए ट्रक आईसीपी पार्किंग में खड़ी थी। इस दौरान ट्रक में लगे मोबाइल चार्जर में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। घटना के समय ट्रक चालक ट्रक से दूर था, जिससे आग तेजी से फैलने लगी। लोगों ने जब ट्रक में धुआं और आग की लपटें उठती देखीं,तो तुरंत एसएसबी को सूचना दी। एसएसबी के जवान तुरंत हरकत में आए और अग्निशमन विभाग को बुलाकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। कोयला लदा होने के कारण आग तेजी से भड़क सकती थी और आसपास खड़े अन्य वाहनों को भी चपेट में ले सकती थी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन एसएसबी के जवानों की तत्परता और समय रहते कार्रवाई की वजह से दुर्घटना टल गई। घटना के बाद एसएसबी ने सभी चालकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और वाहनों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की अपील की है। इस घटना के बाद आईसीपी प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की बात कही है।

आठ महीने का राशन गटक लिए जविप्र दुकानदार, मुखिया बैठेंगे अनशन पर

गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान व मंत्री पुत्र कुंदन पासवान के दबाव मे नही होती है कार्रवाई- एमओ

बीएनएम। मोतिहारीः सागर सूरज

गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान

मुखिया एजाज अहमद

मंत्री पुत्र कुंदन पासवान

'जब सैंया भयो कोतवाल तो अब डर काहे का" कहावत हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र मे चारिथार्थ होता नजर आ रहा है। कथित रूप से बिहार सरकार के भाजपा कोटे के गन्ना उद्योग मंत्री सह हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान और उनके पुत्र कुंदन पासवान के नेतृत्व मे इस विधानसभा क्षेत्र मे भ्रष्टाचार अपने चरम पर है, जिसकी परत पंचायत समिति की बैठक मे एक बार खुली तो फिर खुलती चली गई। बताया गया कि एक नही, दो नहीं, कुल आठ माह के जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के द्वारा गरीब लाभुकों को दिए जाने वाले राशन को गटक लिए गए है। खुद एमओ दिव्या किशोर ने पंचायत समिति की बैठक मे पूरे सदन के समक्ष स्पष्ट रूप से गन्ना मंत्री एवं उनके पुत्र पर आरोप लगाया है, कि इन दुकानदारों पर पिता पुत्रों के दबाब के कारण कार्रवाई नहीं हो पाती है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि खुद तुरकौलिया प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सरीना आजाद ने भी स्वीकार किया कि मंत्री और उनके पुत्र पर इस तरह के दबाब बनाने के आरोप बैठक मे एमओ द्वारा लगाए गए है, लेकिन गरीबों के हक को 'हड़प नारायण' करने वाले इन दुकानदारों एवं इनको संरक्षण देने वाले मंत्री पर क्या कार्रवाई की जाएगी ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया। इधर, जब मंत्री कृष्णनंदन पासवान को फोन पर उनका व्यान लेने का प्रयास किया गया तो दूसरी तरफ से उनके सहायक ने बात करवाने का आश्वासन दिया। खबर लिखे जाने तक उनका व्यान नहीं आ सका। यही नहीं, संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिलाधिकारी के नाक के नीचे यह कुकर्म हो रहा है और सभी किस परिस्थिति मे मुकदर्शक बने हुये है, यह भी जांच का विषय है। एमओ महिला है, बीडीओ भी महिला है साथ ही एसडीओ भी महिला है तो क्या इन महिला अधिकारियो द्वारा मंत्री व मंत्री पुत्र के दबाव मे कार्य किया जा रहा है। क्या मंत्री के इस दबाव की जानकारी इन अधिकारियों ने अपने वरीय अधिकारियों को दिया है। फिलहाल ये सारे सवाल फिजाओं मे तैर रहे है। उल्लेखनीय है कि प्रखंड सभागार में प्रमुख विभा यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक शुरू होते ही सदन के भीतर शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद ने जोरदार ढंग से सवाल उठाते हुए कहा कि शंकर सरैया पंचायत में तकरीबन 8 माह से जन वितरण दुकानदार गरीबों को राशन नहीं दे रहे हैं। गरीब भुखमरी के कगार पर खड़े हैं। उन्होंने स्वयं एमओ दिव्या किशोर से इसकी शिकायत लिखित रूप से किया था। बावजूद इसके जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के विरुद्ध आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप पर जवाब देते हुए एमओ ने सदन के भीतर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियो के समक्ष ही खुलेआम कहा कि उन्होंने जन वितरण दुकानदार के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए विभाग को लिखा था। लेकिन इसी दौरान बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री सह स्थानीय विधायक कृष्णनंदन पासवान और उनके पुत्र कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाने लगे। इसलिए कार्रवाई नहीं हुई है। एमओ के जवाब सुनते ही आक्रोशित मुखिया एजाज ने कहा कि मंत्री के दबाव में गरीबों को अनाज नही मिलेगा। यह कहाँ का न्याय है और आपका यह कौन-सा जवाब है। अगर दस दिनों के अंदर राशन वितरण नहीं की जाएगी तो अगले दस दिन बाद यानी आगामी 28 फरवरी को वह खुद इस मुद्दे को लेकर बीडीओ कार्यालय के समक्ष भूख हड़ताल पर बैठेंगें। जब तक राशन वितरण नहीं की जाएगी तब तक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। प्रभारी बीडीओ सरीना आजाद ने कहा कि सदन में लिए गए सभी प्रस्तावों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने स्वीकार किया की मंत्री पर जनवितरण दुकानदारों पर कार्रवाई नहीं करने के दबाव की बात कही गई है। बैठक में उपप्रमुख शाहिदा बेगम, मुखिया रामजनम पासवान, एजाज अहमद, विनोद सिंह, विनय कुमार, पंचायत समिति सदस्य अमेरिका पासवान, रजनीश राय उर्फ पेटू राय, ईद मुहम्मद, अशरफी महतो, अनील पासवान, शहजाद अंसारी, राजकिशोर सिंह, चंदेश्वर पासवान, उमंग देवी, सोनी देवी, गुड़िया कुमारी आदि सहित अधिकारी मौजूद थे।

केआईआईटी विश्वविद्यालय में नेपाली छात्र की आत्महत्या के बाद छात्रों का पलायन

बीएनएम। मोतिहारी

ओडिशा के कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में एक नेपाली छात्र की आत्महत्या के बाद वहां पढ़ने वाले नेपाली छात्रों में आक्रोश और भय व्याप्त है। इस घटना के बाद बड़ी संख्या में नेपाली छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में छोड़कर रक्सौल के रास्ते नेपाल लौट रहे हैं। नेपाली छात्रों ने बताया कि कॉलेज के स्टाफ, गार्ड, बाउंसर ने जबरन हॉस्टल खाली कराकर धक्का मुक्की करते हुए कॉलेज से बाहर कर दिया। वहां से बस में ठूस ठूस कर बैठाकर भुनेश्वर रेलवे स्टेशन भेजवा दिया। भुनेश्वर से हावड़ा पहुचे वहां से मिथला ट्रेन पकड़कर रक्सौल पहुचे। इस स्थिति को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। वे राष्ट्रीय स्तर पर इन छात्रों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। इसी क्रम में आज रक्सौल बॉर्डर पर स्थित रेलवे जंक्शन और बस पड़ाव पर अभाविप के कार्यकर्ताओं ने नेपाल लौट रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। अभाविप कार्यकर्ताओं ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें न्याय दिलाने के लिए आश्वासन दिया और पुनः भारत लौटकर अपनी पढ़ाई जारी रखने का आग्रह किया। छात्रों की मदद के लिए उन्हें पेयजल, जलपान और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही, नेपाल प्राग्यिक परिषद् के कार्यकर्ताओं ने भी इस पहल में सहयोग दिया और छात्रों की गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी ली। इस कार्यक्रम में अभाविप के कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें नेपाली विद्यार्थी कार्य के राष्ट्रीय सह संयोजक प्रियांशु त्रिपाठी, प्रांत अध्यक्ष प्रो. अंजनी कुमार, प्रांत शोध कार्य प्रमुख प्रो. पंकज कुमार, मुकेश कुमार, हिमांशु कुमार, जिला संयोजक अंकित कुमार, पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री सुबोध कुमार, धीरज कुमार, कॉलेज अध्यक्ष सोमेश्वर कुमार यादव, गोलू कुमार, प्रियांशु कुमार आदि शामिल थे। उल्लेखनीय है कि नेपाली छात्र की आत्महत्या के बाद नेपाली छात्रों के साथ कॉलेज प्रबंधन द्धारा किये अमानवीय बर्ताव से छात्रो के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और भारत में अपनी पढ़ाई जारी रखने को लेकर संकोच कर रहे हैं। अभाविप और नेपाल प्राग्यिक परिषद् के कार्यकर्ताओं ने छात्रों को हरसंभव मदद और सुरक्षा का भरोसा दिलाया है।कहा कि छात्रों को न्यायिक सहायता और उनके हितों की रक्षा के लिए संगठन निरंतर प्रयासरत है। अभाविप ने विश्वविद्यालय प्रशासन से इस घटना की निष्पक्ष जांच और नेपाली छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों पर कठोर करवाई करने की मांग सरकार से की है।

अनुसूचित जाति युवक की हत्या मामले में एक अभियुक्त को आजीवन कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

अनुसूचित जाति,जन जाति न्यायालय के विशेष न्यायाधीश दुष्यंत कुमार ने भूमि विवाद को लेकर हुई अनुसूचित जाति के एक युवक की चाकू मारकर निर्मम हत्या मामले में नामजद एक अभियुक्त को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास व 25 हजार रूपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मजुराहा निवासी स्व. गोबरी सहनी के पुत्र लालबाबू सहनी उर्फ चईट सहनी को हुई। मामले में स्थानीय निवासी जगरनाथ मांझी ने रघुनाथपुर थाना में मामला दर्ज कराते हुए लालबाबू सहनी उर्फ चईट सहनी को नामजद किया था, जिसमें कहा था कि 6 फरवरी 2024 की संध्या करीब पांच बजे उसका भाई किशुन देव मांझी अपने दरवाजे पर बैठा था। उसी दौरान अपने काले रंग के अपाची बाईक से नामजद अभियुक्त आया और जाति सूचक गाली देते हुए उसके भाई के सीने में चाकू गोद दिया। वह चिल्लाया तो अभियुक्त अपनी बाइक से भाग गया। गंभीर हालत में वे पड़ोसी के सहयोग से अपने भाई को सदर अस्पताल मोतिहारी लाया,जहां ईलाज के दौरान उसके भाई की मौत हो गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी रात अभियुक्त को हिरासत में ले लिया तथा तीन माह के भीतर ही आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित कर दिया। विशेष लोक अभियोजक मोहन ठाकुर के तत्परता से 29 मई को न्यायालय ने अभियुक्त के विरूद्ध आरोप गठन कर अनुसूचित जाति/जन जाति मामले के तहत विचारित कर दी। विशेष लोक अभियोजक मोहन ठाकुर एवं सहायक अधिवक्ता उपेंद्र सिंह ने महज पांच माह में ही मामले के सभी सात गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन साक्ष्य करा दिया। न्यायालय ने दोनों पक्षों के दलीलों को सुनने के बाद नामजद अभियुक्त को दोषी पाते हुए उक्त सजा दी है।

डीआईजी ने किया रक्सौल डीएसपी कार्यालय का निरीक्षण

» पुलिसकर्मियो को पढाया बेस्ट पुलिसिंग का पाठ

बीएनएम। मोतिहारी

चंपारण रेंज के डीआईजी हरकिशोर राय ने बुधवार को रक्सौल डीएसपी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित और एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।इस दौरान डीआईजी ने कार्यालय के अभिलेखों को देखा और उनके सही रख-रखाव का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को बेहतर पुलिसिंग का भी पाठ पढ़ाया और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का आदेश दिया। साथ ही, कुर्की के मामलों के निपटारे और समय पर वारंट तामिला करने का निर्देश दिया। डीआईजी हरकिशोर राय ने कहा कि पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अपराध नियंत्रण और शराब तस्करों पर नकेल कसने के साथ-साथ विभागीय कार्यों को भी समय पर निपटाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।उन्होने भारत-नेपाल की खुली सीमा को देखते हुए विशेष चौकसी बरतने का भी निर्देश दिया। डीआईजी ने गंभीर आपराधिक घटनाओं के शीघ्र उद्भेदन, अनुसंधान पूरा कर चार्जशीट दाखिल करने और अपराधियों तथा शराब तस्करों का डाटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार, रक्सौल इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, हरैया थानाध्यक्ष अंजन कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

केविवि में 'भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में ऋषि अगस्त्य का योगदान' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में ऋषि अगस्त्य का अवदान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी 'काशी तमिल संगमम् 3.0', शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आयोजित की गई थी और विवि के महात्मा बुद्ध परिसर स्थित आचार्य बृहस्पति सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव मुख्य संरक्षक रहे, जबकि संगोष्ठी के संरक्षक 'अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा संकाय' प्रो. प्रसून दत्त सिंह थे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. गरिमा तिवारी एवं सह-संयोजक डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, डॉ. श्याम नंदन, डॉ. आशा मीणा तथा डॉ. बबलू पाल थे।

ऋषि अगस्त्यः भारतीय संस्कृति के शिल्पकार- संगोष्ठी का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मंच संचालन डॉ. बबलू पाल ने किया, जबकि विषय प्रवर्तन मानवीकी एवं भाषा संकय के संख्याध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अपनी विशिष्टता के लिए जानी जाती है और ऐसे विमर्शों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। ऋषि अगस्त्य ने उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक समन्वय का कार्य किया, जो आगे चलकर स्वामी विवेकानंद ने भी किया।

मुख्य अतिथि का सारगर्भित संबोधन- मुख्य अतिथि प्रो. वैद्यनाथ मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा) ने ऋषि अगस्त्य को समाज सुधारक एवं वैज्ञानिक दृष्टि रखने वाला ऋषि बताया। उन्होंने कहा कि 'अगस्त संहिता' एक वैज्ञानिक ग्रंथ है, जिसका अध्ययन एवं अनुसंधान आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने ऋषि परंपरा के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्षों को उजागर करते हुए कहा कि ऋषि अगस्त्य ने ज्ञान-विज्ञान और समाज सुधार दोनों क्षेत्रों में अमूल्य योगदान दिया।

विशिष्ट अतिथियों के विचार- विशिष्ट अतिथि श्री शैलेन्द्र (कार्यकारी संपादक, न्यूज कॉरिडोर, दिल्ली) ने संगोष्ठी के आयोजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए ऋषि परंपरा को जानना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऋषि केवल तपस्वी नहीं थे, बल्कि साहित्य, वेद, आयुर्वेद और शोध में भी गहरी रुचि रखते थे। वे अध्यात्म और कर्म दोनों को समान महत्व देते थे, जो भारतीय दर्शन का मूल तत्व है। डॉ. पंकज मिश्रा (सहायक आचार्य, सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली) ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि अगस्त्य ने दक्षिण भारत में अपनी प्रयोगशाला स्थापित कर भारतीय एकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति समाज को कुछ देता है, तभी राष्ट्र 'सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्' की ओर अग्रसर होता है।

समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन- संगोष्ठी का अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति मूल रूप से ऋषि संस्कृति है, जिसमें शासकों को भी राजर्षि बनने की प्रेरणा दी गई है। विद्यार्थियों को ऐसे विषयों पर चिंतनशील होने और ऋषियों के ज्ञान का अनुसरण करने की प्रेरणा दी गई। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गरिमा तिवारी ने दिया। संगोष्ठी में परीक्षा नियंत्रक डॉ. के. के. उपाध्याय, प्रो. सरिता तिवारी, प्रो. बिमलेश, गांधी चिंतक श्री संजय जी, डॉ. अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. पंकज कुमार सिंह, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. उपमेश तलवार, डॉ, डॉ. स्वेता, डॉ. उमेश पात्रा सहित विवि के अनेक संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह संगोष्ठी विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव रही, जिससे उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की गहराई एवं ऋषि परंपरा की व्यापकता को समझने का अवसर प्राप्त किया।

आज से तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का आगाज, तैयारी पूरी

» प्रथम दिन मैथिली ठाकुर की होगी प्रस्तुति

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

कला संस्कृति एवं युवा विभाग व जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का आज से आगाज होगा। इस आयोजन को भव्य व ऐतिहासिक बनाने को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ आज (गुरुवार) पाँच बजे संध्या दीप प्रज्वलन कर किया जाएगा। इस महोत्सव में उपमुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा, जिले के प्रभारी मंत्री सह शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मंत्री कृष्णनंदन पासवान, सांसद राधामोहन सिंह, सांसद संजय जायसवाल सहित कई सांसद व जिले के एमएलए, एमएलसी व अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। बुधवार को कार्यक्रम स्थल पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, डीडीसी शम्भू शरण पांडेय, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम सहित अन्य अधिकारी पहुँच तैयारी का जायजा लिया।

मैथिली ठाकुर होंगी आकर्षण का केंद्र- महोत्सव के प्रथम दिन उद्घाटन के बाद अतिथियों का सम्बोधन होगा। उसके बाद बिहार गौरव गान की प्रस्तुति, लेजर शो व प्रिया वेंकटरमन द्वारा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति की जाएगी। इसके बाद साढ़े सात बजे से सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर अपनी प्रस्तुति देंगी।

एक दर्जन विभागों का लगेगा स्टॉल- इस महोत्सव में आईसीडीएस, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविका सहित करीब एक दर्जन विभागों का स्टॉल लगाया जा रहा है। जहाँ विभागीय योजनाओं व कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के उद्घाटन के उपरांत अतिथियों द्वारा संबंधित स्टॉल व प्रदर्शनी का निरीक्षण किया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था की माकूल व्यवस्था- महोत्सव आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पंडाल परिसर में तीन श्रेणियों वीवीआईपी, वीआईपी व आम लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम स्थल पर सादे लिबास में भी पुलिस की तैनाती की गई है। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल व इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पर्याप्त संख्या में पुलिस तैनात रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

तीन वारंटी सहित एक पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर तीन वारंटी और एक पियक्कड़ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी में गिरजानंद यादव कनछेदवा, नंदलाल यादव कनछेदवा, मध्य निषेध कांड में रामदेव सहनी कुबरा और पियक्कड़ दुदही निवासी उपेंद्र शर्मा शामिल हैं। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी को मोतिहारी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, अविनाश कुमार, पिंकी कुमारी, सीमा कुमारी शस्त्रबल शामिल थे।

बिजली विभाग की छापेमारी में अवैध रूप से बिजली जलाते आठ लोग धराये

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र विभिन्न गांव में बिजली विभाग ने टीम गठित कर छापेमारी अभियान शुरू किया। इस दौरान टीम ने तीन पंचायत में छापेमारी कर 8 लोगो को अवैध रूप से बिजली जलाते हुए पकड़ा है। अवैध रूप से बिजली जलाने से विभाग को करीब 2.36 लाख की क्षति पहुंची है। जिसकी वसूली के लिए विभाग के कनीय अभियंता नीतीश कुमार ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। जिसमें अवैध रूप से बिजली जलाने वाले को नामजद किया गया है। नामजद में उज्जैन लोहियार के रामप्रताप राउत के ऊपर 44793 रूपया, गायघाट के सोनेलाल राउत के ऊपर 32243 रूपया, मानिकपुर मिश्रिया के राजेंद्र प्रसाद के ऊपर 28641 रूपया, मानिकपुर के छोटन ठाकुर के ऊपर 20983 रुपया, भूपन भगत के ऊपर 21784, रूपेश ठाकुर के ऊपर 33231 रूपया, रानीछपरा ब्रह्मटोला के मैनेजर दास के ऊपर 34526 रूपया व मुरारपुर बलुआ टोला के नागेंद्र सहनी के ऊपर 20329 रूपया का जुर्माना लगाया गया है। उक्त जुर्माना में कुछ लोगो के यहां पूर्व का बकाया भी शामिल है। कनीय अभियंता नीतीश ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि बकाए सभी राशि का भुगतान करे। अन्यथा बाध्य होकर विभाग कनेक्शन को बंद करने की करवाई करेगा। विभाग के इस करवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

बीस बीस हजार के दो ईनामी स्प्रिट माफिया के घर चिपकाया गया इस्तहार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के बैरियाडीह पंचायत के बैरियाडीह निवासी स्प्रिट माफिया बीस-बीस हजार के इनामी के घर गजे-बाजे के साथ स्थानीय पुलिस ने इश्तहार चिपकाया गया। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि मंतोष सहनी, संतोष सहनी दोनों पिता शिवनारायण सहनी शराब माफिया है। न्यायालय के आदेश के बाद दरोगा विभा भारती ने पुलिस बल के साथ जाकर इस्तेहार चस्पाया गया। दोनो भाई ईनामी शराब माफिया है। पुलिस ने दोनों को सरेंडर करने की चेतावनी दिया नहीं तो कुर्की जप्ति किया जाएगा।

परीक्षा केंद्र पर छात्रा हुई बेहोश

बीएनएम। बगहा (नगर संवाददाता) बुधवार को नगर के बगहा बाजार स्थित प्लास टू डीएम एकेडमी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में मैट्रिक की परीक्षा दे रही छात्रा अंजली कुमारी अचानक बेहोश हो गई .परीक्षा केंद्र के केंद्राधीक्षक राकेश कुमार यादव की सूचना पर पहुंची अनुमंडलीय अस्पताल चिकित्सक व कर्मियों की टीम द्वारा केंद्र पर पहुंच इलाज किया गया . इलाज के बाद जब छात्रा ठीक हुई छात्रा अपनी बाकी पेपर की परीक्षा पूरी की . डा.एके तिवारी ने बताया कि मौसम के कारण बच्ची की तबियत थोड़ी खराब हुई थी . लेकिन इलाज बाद ठीक हो गई . उसे पुनः केन्द्र पर भेज दिया गया है .

पटना में आगामी 28 फरवरी को हम पार्टी की दलित सवाद सम्मेलन को लेकर किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

बीएनएम। तुरकौलिया। दलितों, शोषितों, अकलियतों व समाज के निचले पायदान पर खड़े दबे-कुचले लोगों की आवाज उठाने का प्रयास हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर पार्टी अपने स्थापना काल से लगातार करते आ रही है और आगे भी पार्टी इनके हकहुकूक की लड़ाई लड़ती रहेगी। उक्त बातें हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोमित कुमार ने जिलाध्यक्ष कन्हैया ठाकुर के नरियरवा आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सह केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी जीवन के शुरुआती दिनों से ही गरीबों के हक की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। उन्होंने अपने आदर्शों व सिद्धांतों से कभी समझौता नही किया है। आज भी वह गरीबों के लिए संघर्षरत हैं। इसी कड़ी में ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में आगामी 28 फरवरी को पटना के गांधी मैदान में एतिहासिक महाजुटान रैली आयोजित की गई है। इसे सफल बनाने के लिए हर जिले का दौरा कर रहे हैं। विहार के कोने-कोने से लोगों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया जा रहा है। मांगों का जिक्र करते हुए कहा कि 2 हजार रुपए प्रति माह पेंशन लागू करने की पार्टी मांग कर रही है। जिसे महंगाई भत्ते की तरह प्रत्येक साल बढ़ना चाहिए। बालिकाओं के लिए शिक्षा पुरी तरह निशुल्क करने व आम जनता के लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने के साथ 5 एकड़ जमीन में खेती करने वाले किसानों को भी मुफ्त बिजली देने की मांग है। वही 21 से 35 साल के बेरोजगार युवकों को 5 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता के रूप में दिया जाए। ताकि उन्हें आर्थिक सहारा मिल सके और वह आगे रोजगार की तलाश कर सकें। इसी सब मांगों को लेकर रैली का आयोजन किया गया है।

तरियानी बीडीओ जूही कुमारी ने किया सभी पैक्स गोदामों का निरीक्षण, स्टॉक मिला संतोषजनक

बीएनएम। शिवहर

जिले के तरियानी प्रखंड में सरकारी योजनाओं की सुचारू निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) जूही कुमारी ने प्रखंड के सभी पैक्स गोदामों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान सभी गोदामों में उपलब्ध स्टॉक संतोषजनक और सही पाया गया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ जूही कुमारी ने गोदामों में रखे अनाज और अन्य भंडारित सामग्रियों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने रजिस्टर पंजी की गहन जांच की, जिसमें सभी अभिलेख सही और अपडेट पाए गए। किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी सामने नहीं आई। इस मौके पर तरियानी ब्लॉक कोऑपरेटिव ऑफिसर भी मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे निरीक्षण की निगरानी की और यह सुनिश्चित किया कि सभी गोदामों में सरकारी नियमों का पूर्ण रूप से पालन किया जा रहा है। यह निरीक्षण सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता को बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया। बीडीओ ने निर्देश दिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार से नियमित रूप से निरीक्षण जारी रहेगा ताकि खाद्यान्न और अन्य भंडारण सामग्री का सही रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके। प्रखंड प्रशासन के इस सक्रिय कदम से स्थानीय किसानों और लाभार्थियों को यह विश्वास मिलेगा कि अनाज वितरण और भंडारण की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित हो रही है। इस प्रकार के निरीक्षणों से यह भी सुनिश्चित होता है कि गोदामों में अनाज और अन्य सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे और किसी प्रकार की कालाबाजारी न हो।

पुलिस ने 24 घंटा में 35 वारंटों का निष्पादन करते हुए कांड में 4 गिरफ्तारी किया

बीएनएम। बगहा

वाहन जांच में 65 .5 हजार रुपए जुर्माना लगाया

बगहा पुलिस जिला अंतर्गत पुलिस ने विगत 24 घंटो में 35 वारंटों का निष्पादन किया है वही कांड में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं:वही दूसरी ओर पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए गए सघन वाहन जांच में 65 हजार 500 सौ रुपए जुर्माना लगाया है.उक्त जानकारी एसपी सुशांत कुमार सरोज ने दी.एसपी ने बताया कि इस प्रकार धनहाँ पुलिस ने शराब के काण्ड में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है . साथ ही 46.80 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए एक ऑटो को भी जप्त किया है. एसपी ने बताया कि पुलिस ने इस प्रका कुल-35 वारंटो का निष्पादन किया गया है, जिसमें जमानतीय 18 अजमानतीय 17 शामिल है .वही दूसरी ओर अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से वाहन जॉच किया गया जॉच के क्रम में बगहा थाना द्वारा 10,000, चौतरवा थाना द्वारा-10,000, रामनगर थाना द्वारा-15,500, पटखौली थाना द्वारा 45,00, नाँरगिया थाना द्वारा-7,000, भैरोगंज थाना द्वारा-4,000 चिउटहाँ थाना द्वारा 1,000, सेमरा थाना द्वारा-2,000, यातायात थाना द्वारा-21,500, इस प्रकार कुल 66,500/- का जुर्माना लगाया है .

बगहा से आरा तक 225 किमी लंबा होगा बिहार नया नारायणी -गंगा एक्सप्रेस वे

बीएनएम। बगहा

बाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने आज बताया कि बिहार सरकार ने बगहा से भोजपुर के पातर तक 'ग्रीनफील्ड हाईस्पीड नारायणी-गंगा कॉरिडोर' बनाने का फैसला किया है। प्रस्तावित नारायणी-गंगा कॉरिडोर 225 किमी लंबा होगा जिसके लिए आवश्यकतानुसार जमीन अधिग्रहण किया जायेगा। राज्य में डबल ईजन सरकार होने के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर की तमाम योजनाएं बिहार को मिल रही हैं। इसी कड़ी में राज्य के उत्तर से दक्षिण के बीच सड़क संपर्क सुविधा को और बेहतर बनाने की कवायद की जा रही है जिसको देखते हुए नए ग्रीन फील्ड हाई स्पीड कॉरिडोर के तौर पर नया रूट बनाने की तैयारी की जा रही है। यह रूट नारायणी-गंगा कॉरिडोर के नाम से जाना जा सकता है। प्रस्तावित कॉरिडोर पश्चिम चंपारण के बगहा से गुजरने वाले एनएच 727 से होकर एनएच 727 ए से जुड़ेगा और इसका विस्तार भोजपुर जिले तक होगा। सांसद कुमार ने कहा कि नीतीश सरकार द्वारा नारायणी-गंगा कॉरिडोर का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा रहा है। राज्य सरकार जो प्रस्ताव भेजने जा रही है इसके तहत इस कॉरिडोर के तहत भोजपुर के पातर में यह कॉरिडोर शुरू होकर, पटना-आरा-सासाराम हाई स्पीड कॉरिडोर एनएच 119 ए से जुड़ जाएगा। इस एक्सप्रेस वे के निर्माण से बगहा से आरा होते हुए सासाराम और वाराणसी कोलकाता होते हुए उत्तर प्रदेश ओर आगे की यात्रा भी सरल और सहज हो जाएगी। इस सड़क के निर्माण से राज्य के उत्तर-पश्चिम कोने से सीधी कनेक्टिविटी दक्षिण-पश्चिम कोने से हो जाएगी।सीधे तौर पर पांच जिलों को इस कोरीडोर का लाभ मिलेगा जिसमें भोजपुर, सारण, सिवान, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण शामिल है। नया नया गंगा नारायणी गंगा कॉरिडोर लगभग 225 किलोमीटर लंबा होगा और इसके लिए जमीन अधिग्रहण में 3950 करोड रुपए खर्च का अनुमान है। बाल्मिकीनगर सांसद ने आगे बताया कि बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंन्हा के मुताबिक प्रस्तावित नारायणी-गंगा कॉरिडोर राज्य में सुदूर उत्तर से दक्षिण तक की यात्रा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लक्ष्य के अनुरूप त्वरित कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक ऐतिहासिक मार्ग साबित होगा। इसके बनने से पिछड़े इलाकों में तेजी से विकास होगा और हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

पसाह नदी में हो रहे कटाव की मरम्मती को लेकर सरपंच शीला देवी ने पदाधिकारीयों को दिया लिखित आवेदन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आदापुर प्रखंड स्थित कोरैया पंचायत के कुरमिनिया गांव निवासी भिखारी यादव के खेत के समीप पसाह नदी का कटाव होने की संभावना हो रही है जिससे प्रभावित कई गांव होने के करीब है। सरकार अगर अभी इस पर ध्यान यदि नहीं देती है तो कई हजार बीघा जमीन का फसल बर्बाद होगा और कई गांव बाढ़ के चपेट में आ जाएगा। सरपंच शीला देवी ने पत्र के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी को इसकी लिखित सूचना देते हुए बरसात शुरू होने के पहले इसकी मरम्मती करने के लिए लिखित में सूचना दिया है ताकि समय से पहले नुकसान होने से बचाया जा सके। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरपंच पति श्रीकांत यादव ने दी है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने कृषि विज्ञान केंद्र का किया भ्रमण

बीएनएम। शिवहर

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शिवहर के विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर का भ्रमण किया और केंद्र की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण का आयोजन विद्यार्थियों को कृषि और विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर में इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और उन्हें कृषि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह-अध्यक्ष डॉ. अनुराधा रंजन कुमारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को यह बताया कि किस प्रकार कृषि विज्ञान और तकनीकी उन्नति से किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो सकती है और देश में खाद्यान्न संकट को दूर करने में सहायक हो सकता है। डॉ. कुमारी ने विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में न केवल भारत की कृषि व्यवस्था को मजबूती मिल सकती है, बल्कि इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं और किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकती है। इसके बाद, डॉ. सांचीता घोष, वैज्ञानिक हॉर्टिकल्चर ने बागवानी की महत्ता को समझाया और किस प्रकार विभिन्न फलों, सब्जियों और फूलों की पैदावार में सुधार लाने के लिए विज्ञान का उपयोग किया जाता है, इस पर प्रकाश डाला। बागवानी से न केवल खाद्य सुरक्षा में सुधार होता है, बल्कि यह किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत भी बन सकता है। इस भ्रमण के दौरान, डॉ.एन एम एच एनलिंग, होम साइंस वैज्ञानिक ने छात्रों को मशरूम उगाने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती से किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है और यह एक उच्च मूल्य वाली फसल के रूप में उभर सकती है। उन्होंने छात्रों को मशरूम की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी दी और इसके उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली विधियों और तकनीकों को विस्तार से समझाया। डॉ. एनलिंग ने यह भी बताया कि कैसे मशरूम एक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है और इसे घरेलू स्तर पर भी उगाया जा सकता है। इसके बाद, डॉ. सौरभ शंकर पटेल, कृषि यांत्रिकी विशेषज्ञ ने कृषि यंत्रों के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कृषि कार्यों को सरल और अधिक प्रभावी बनाता है। डॉ. शंकर ने बताया कि किस प्रकार ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य यांत्रिक उपकरणों का उपयोग किसानों की मेहनत को कम कर सकता है और उत्पादन को बढ़ा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि यांत्रिकीकरण से श्रम की कमी को पूरा किया जा सकता है और किसानों की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। केंद्र की इस यात्रा ने छात्रों को कृषि के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया इस भ्रमण ने छात्रों को यह समझने में मदद की कि विज्ञान और तकनीकी नवाचारों का कृषि में कितना महत्वपूर्ण स्थान है और किस प्रकार यह तकनीकी विकास कृषि क्षेत्र को अधिक सशक्त बना सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर के इस प्रयास से विद्यार्थियों को न केवल कृषि के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि उन्हें यह भी समझ में आया कि यह क्षेत्र किस प्रकार समाज में योगदान कर सकता है और किस प्रकार विभिन्न वैज्ञानिक दृष्टिकोणों से कृषि को उन्नत किया जा सकता है। छात्रों को इस भ्रमण के दौरान यह भी समझ में आया कि किस प्रकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाया जा सकता है, ताकि देश के कृषि उत्पादन को बढ़ाया जा सके और किसानों की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। केंद्र के इस प्रयास से विद्यार्थियों में कृषि के प्रति एक नई जागरूकता पैदा हुई और उन्होंने यह समझा कि कैसे कृषि में नवाचार और तकनीकी बदलाव से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही, छात्रों को यह भी महसूस हुआ कि कृषि केवल एक व्यवसाय नहीं बल्कि यह एक जीवनशैली और समाज के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान, बागवानी, मशरूम उत्पादन और कृषि यांत्रिकी से संबंधित विभिन्न सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। इस भ्रमण के दौरान, केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विज्ञान प्रायोगिकों को भी देखा, विद्यार्थियों को यह भी दिखाया गया कि किस प्रकार नवीनतम यंत्रों और तकनीकों का उपयोग करके किसानों की जीवनशैली को बेहतर बनाया जा सकता है।प्रधानाचार्य और शिक्षकगण को भ्रमण के आयोजन के लिए कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर के वैज्ञानिकों का धन्यवाद किया और विद्यार्थियों को इस प्रकार के भ्रमणों को अपनी शिक्षा का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे कृषि और विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा में सोच सकें और इस क्षेत्र में भविष्य में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने न केवल कृषि के विज्ञान को समझा, बल्कि यह भी जाना कि कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग करके किसानों की स्थिति को बेहतर बनाया जा सकता है। भ्रमण में विद्यार्थियो फैजल अहमद, आराध्या कुमारी, अर्पित, लक्की, हार्दिक, शिवम् सहित कुल 225 विद्यार्थियों एवं शिक्षक आर एल मीना, एस रिजवी, शालू शर्मा शिल्पा, छोटन कुमार आलोक कुमार ने भाग लिया।

मध्यस्थता रचनात्मक समधान

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि सभी विवाद अदालत और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मध्यस्थता भी समस्या के निवारण का तरीका है क्योंकि यह रचनात्मक समाधान प्रदान करती है और संबंधों को मजबूत करती है। सीजेआई ने नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में कहा कि प्रत्येक मामले को कानूनी मुद्दे की नजर से नहीं, बल्कि मानवीय पहलू के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारकों को सहायता दी जाती है। सीजेआई का यह कहना उचित है कि मध्यस्थता रचनात्मक समधान है। ऐसा इसलिए कि इससे प्रतिकूल फैसला आने के बाद भी लोगों के परस्पर संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहते हैं। संघर्ष को कुशलतापूर्वक खत्म किया जा सकता है। इस विकल्प को अपनाया जाना सामाजिक ताने बाने को बिखरने नहीं देता। ऐसा किया जाता है तो अदालतों में मुकदमों का जो अंबार लगा है, उसमें भी खासी कमी आ सकती है। न्यायिक प्रणाली पर अरसे से लंबित मामलों के बोझ से काफी हद तक निजात मिल सकेगी। फिर, जैसे-जैसे हमारी समस्याएं और अधिक गतिशील होती जा रही हैं, उनके समाधान की आवश्यकता और अधिक लचीली होनी चाहिए जिसकी तरफ सीजेआई ने भी ध्यान आकर्षित किया है। मध्यस्थता के लिए भारतीय समाज में मुफीद जमीन अनंतकाल से मौजूद रही है। साहित्य और लोक जीवन में मिल-बैठकर मामलों को सुलझाने के दृष्टांत सहज ही खोजे जा सकते हैं। कहना न होगा कि पंच परमेर की धारणा भारतीय जनमानस में गहरे पैठी है। जरूरी है कि इसके प्रति अपने आग्रह को प्रेरित बनाए रखा जाए। इस भावभूमि से विचलन ने हमारी समस्याएं बढ़ाई हैं और हमे न्याय पाने में बेवजह की देरी से दोचार होना पड़ता रहा है। इससे उस सिद्धांत की भी अनदेखी हुई है, जिसमें कहा गया है कि विलंब से मिले नयाय का न्याय न मिलने के तुल्य होता है। आज चुनौतियां से पहले से कहीं विकट हैं। पर्यावरणीय चिंताओं, मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय से जुड़ा एक पूरा परिदृश्य ही हमारे सामने उभर आया है।

वर्तमान युग में क्यों महत्वपूर्ण हैं गुरुजी की शिक्षाएँ

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें सभी लोग गुरुजी के नाम से पुकारते हैं, उनका दर्शन और विश्वदृष्टि, सनातन धर्म के ठोस और वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित थी, जिससे उनका दृष्टिकोण स्पष्ट और असंदिग्ध था। इसका मतलब यह नहीं है कि उनके विचार प्राचीन सिद्धांतों से अडिग रूप से बंधे हुए थे। सेमेटिक धर्मों के विपरीत, हिंदू धर्म ने लगातार लचीलापन और अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन किया है। सनातन धर्म मौलिक और शाश्वत है, फिर भी हमारे ऋषियों ने समय के निरंतर बीतने के कारण परिवर्तन की अनिवार्यता को पहचाना। नतीजतन, सनातन धर्म के सिद्धांतों को आँख मूंदकर या कट्टरता से नहीं बल्कि सोच-समझकर और प्रासंगिक रूप से लागू किया जाना चाहिए। गुरुजी ने इस अंतर को अच्छी तरह से समझा और तदनुसार मार्गदर्शन प्रदान किया। जीवों में एक सुखी, देखभाल करने वाला और शांतिपूर्ण जीवन जीने की एक अंतर्निहित प्रवृत्ति होती है। हालाँकि, जैसे-जैसे दुनिया नेपश्चिमीकरण को अपनाया है, विकसित भौतिकवादी मानसिकता ने प्रत्येक व्यक्ति के जीवन पर भारी असर डाला है, जिससे वे अपने आसपास की शांति, आनंद और सामंजस्य खो रहे हैं। अधिकांश लोग लालच, शत्रुता, विनाशकारी मानसिकता और अहंकारी रवैये जैसी कई नकारात्मक विशेषताओं के साथ एक यांत्रिक अस्तित्व जीते हैं, मानवता की भावना को खो रहे हैं और प्रकृति के विरुद्ध काम कर रहे हैं। महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति और उच्च जीवन स्तर के बावजूद, दुनिया भर के व्यक्ति दुखी, असंतुष्ट हैं और सामाजिक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। पश्चिमी उपभोक्तावाद की अवधारणा हानिकारक है, क्योंकि यह व्यक्तियों को केवल वस्तुओं और ग्राहकों के रूप में देखता है। इससे सभी उपलब्ध रास्तों का शोषण होता है, अक्सर मानवता और पर्यावरण अखंडता की कीमत पर। इसके अलावा, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सामाजिक संबंध और कल्याण को बढ़ावा देने के बजाय उपभोक्तावाद पर ध्यान केंद्रित करके डिज़ाइन किया गया है। इसलिए गुरुजी की शिक्षाएँ आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्हें समाज, राष्ट्र और विश्व के सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक आयामों की पूरी जानकारी है। उनकी कुछ शिक्षाएँ हमारी बेहतर समझ के लिए प्रस्तुत हैं।

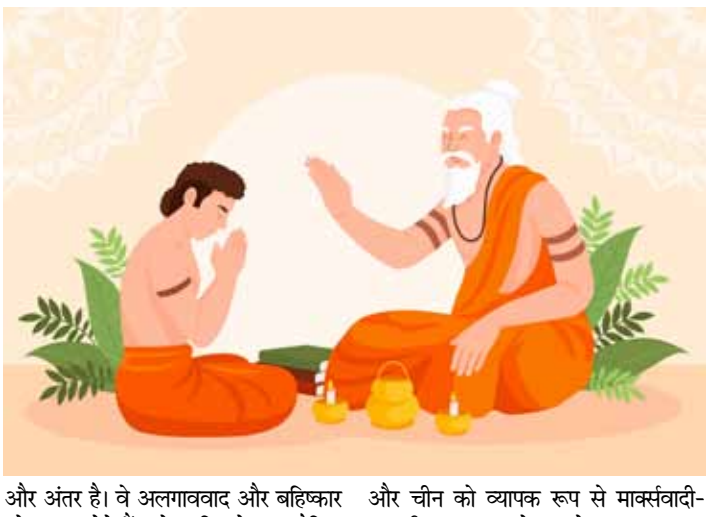

गुरुजी के आर्थिक, राजनीतिक और स्वदेशी सिद्धांत- किसी समाज की राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक व्यवस्था में होने वाले परिवर्तन का प्रभाव पूर्ण समाज पर भी पड़ सकता है। गुरुजी ने एक एकीकृत सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक दृष्टिकोण विकसित किया। उन्होंने भारतीय दर्शन, संस्कृति, धर्म और साहित्य के साथ-साथ समाजवाद, मार्क्सवाद और पश्चिमीकरण जैसी पश्चिमी विचारधाराओं का भी गहन अध्ययन किया। अपने व्याख्यानों और भाषणों में उन्होंने मार्क्सवाद और पश्चिमीकरण दोनों की आलोचना की। वे अक्सर भारतीय दर्शन और साहित्य की तुलना मार्क्सवाद और उसकी विचारधारा से करते थे। गुरुजी ने मार्क्सवाद के आर्थिक नियतिवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और वर्ग संघर्ष के मूल सिद्धांतों को खारिज कर दिया। उनका मानना था कि न तो साम्यवाद और न ही पूंजीवाद दुनिया को एकजुट कर सकता है। उन्होंने जो स्पष्टीकरण दिया वह आवश्यक था। भौतिकवादी विचारधारा, जो मनुष्यों को भौतिक पशु मानती है और भौतिक हितों को प्राथमिकता देती है, एकता और सद्भाव के बजाय प्रतिस्पर्धा और संघर्ष को जन्म देती है। तर्क सीधा है। भौतिक स्तर पर, केवल विविधता और अंतर है। वे अलगाववाद और बहिष्कार को बढ़ावा देते हैं। जो व्यक्ति केवल भौतिक वास्तविकता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उनमें एकता और एकीकरण की कमी हो सकती है। सहयोग पर विचार करने का कोई कारण नहीं है। जब हम स्पष्ट मतभेदों से परे देखते हैं, तो हम एक सूक्ष्म एकता देख सकते हैं जो सभी स्थूल प्राणियों को एक सुसंगत पूल में जोड़ती है। गुरुजी के अनुसार, भौतिकवादी मानते हैं कि हम सभी स्वतंत्र व्यक्ति हैं जिनका कोई सामान्य संबंध या लगाव नहीं है। कार्ल मार्क्स के सिद्धांत वर्ग संघर्ष और पूंजीवाद पर वर्गहीन समाज की जीत पर केंद्रित हैं। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि आपसी नापसंदगी और दुश्मनी सफलता की ओर ले जा सकती है। उन्हें लगा कि साम्यवाद वर्ग विभाजन और नफरत पैदा कर सकता है, जो अंततः वर्ग संघर्ष को जन्म देता है। कार्ल मार्क्स की विचारधारा कटुता और आपसी दुश्मनी पर जोर देती है। उन्होंने राष्ट्र को मजबूत करने के लिए वर्ग शांति, सहयोग और आपसी समझ पर जोर दिया। उनका मानना था कि वर्ग भेद समाज को विभाजित करते हैं, जो राष्ट्र के लिए हानिकारक है। सोवियत संघ और चीन को व्यापक रूप से मार्क्सवादी-आधारित साम्यवाद के सबसे प्रमुख उदाहरण माना जाता है। उनके अनुसार, चीन और रूस ने ऐतिहासिक रूप से सत्ता हासिल करने के लिए समाजवाद का इस्तेमाल किया है, जिसके कारण विनाशकारी कदम उठाए गए हैं। दोनों देशों में प्रभुत्व के भूखे अधिकारियों ने राजनीतिक प्रभुत्व हासिल करने के लिए ऐतिहासिक रूप से अपने ही नागरिकों को नुकसान पहुंचाया है। चीन और रूस उन्नत और विकसित होने का दावा करते हैं, लेकिन दोनों का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व स्थापित करना है। गुरुजी इस स्वभाव और व्यवहार को राक्षसी मानते हैं। उपभोक्तावाद हिंदू संस्कृति के लोकाचार के साथ असंगत है। हमारा आदर्श वाक्य "अधिकतम उत्पादन और समान वितरण" होना चाहिए, जिसमें राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता हमारा तात्कालिक लक्ष्य हो। बेरोजगारी और अल्परोजगार को युद्ध स्तर पर संबोधित किया जाना चाहिए। जबकि औद्योगीकरण आवश्यक है, लेकिन इसे पश्चिम की नासमझ प्रतिकृति होने की आवश्यकता नहीं है। प्रकृति का दोहन किया जाना चाहिए, शोषण नहीं। पारिस्थितिकी कारक, प्राकृतिक संतुलन और भावी पीढ़ियों की जरूरतों पर विचार किया जाना चाहिए। पारिस्थितिकी, अर्थशास्त्र और नैतिकता सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक नव स्वतंत्र राष्ट्र के नेतृत्व की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने नागरिकों की मानसिक संरचना में आवश्यक परिवर्तन को प्रभावित करना है। गुरुजी नव स्वतंत्र भारत की मानसिकता से अच्छी तरह वाकिफ थे। अंग्रेजों ने भारत को न केवल राजनीतिक और आर्थिक रूप से गुलाम बनाया था, बल्कि जीवन के सभी पहलुओं में सांस्कृतिक रूप से भी गुलाम बनाया था। वे अपनी दुर्भावनापूर्ण योजनाओं में काफी हद तक सफल भी हुए थे। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं ने इस सत्य को समझा और स्वदेशी, गोरक्षा, स्वभाषा, हिंदी आदि पर जोर देकर इस आत्मघाती मानसिकता को खत्म करने का प्रयास किया। डॉक्टर जी का अनुसरण करते हुए गुरुजी ने संघ के माध्यम से लोगों में इन विचारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई पहल की। स्वदेशी पर उनका विश्वास सर्वव्यापी था। स्वदेशी की उनकी अवधारणा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं थी; इसमें दैनिक जीवन के सभी तत्व शामिल थे, जैसे कि हमारी मूल भाषाओं में विवाह के निमंत्रण या कार्यक्रम की बधाई भेजना, साथ ही हिंदू परंपरा के अनुसार जन्मदिन मनाना आदि। इन दृष्टिकोणों का विशेष महत्व है। ये केवल दार्शनिक ग्रंथ नहीं हैं। गुरुजी केवल एक बौद्धिक दार्शनिक से कहीं अधिक थे। वे हिंदू दर्शन और उसकी जटिलताओं को अच्छी तरह समझते थे। एक व्यावहारिक नेता और राष्ट्रव्यापी आंदोलन के मार्गदर्शक के रूप में उन्होंने अपने दर्शन को व्यक्तिगत अनुभव और प्रयोग के माध्यम से परखा। वे वास्तविक दुनिया के मुद्दों और चुनौतियों पर केंद्रित रहे। उनका दृष्टिकोण हिंदू आध्यात्मिक परंपरा पर आधारित होने के बावजूद अत्यधिक व्यावहारिक था।

सूडोकु नवताल- 7347

मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7346 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

वैश्विक स्तर पर मोदी और प्रादेशिक फलक पर डंका बजाते मोहन

अरुण पटेल

एक ओर जहां अमेरिका सहित वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का डंका बज रहा है तो वहीं प्रदेश के फलक पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और मुख्यमंत्री को पक्का भरोसा है कि उद्योगों के प्रति मित्रवत नीति एवं नवाचार से प्रदेश में निवेश के विस्तार को पंख लग जायेंगे और यह एक नया औद्योगिक हब बनेगा। अभी तक मध्यप्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक राजधानी के रुप में इंदौर तथा संस्कारधानी के रुप में जबलपुर की पहचान थी, अब औद्योगिक राजधानी के रुप में तालतलैयों व शैल-शिखरों की नगरी भोपाल को भी एक नई पहचान मिलने जा रही है। इन प्रयासों को जमीनी धरातल पर उतारने में डॉ. यादव महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की व्हाइट हाउस में बड़े ही गर्मजोशी के साथ मुलाकात हुई और न केवल दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया बल्कि ट्रम्प ने यह भी माना कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को मिस किया है। टेरिफ मामले को लेकर मोदी की प्रशंसा प् करते हुए उन्होंने मोदी को एक टफ नेगोशिएटर निरुपित किया। इस अवसर हुई बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार, रक्षा सहयोग और आतंकवाद विरोधी रणनीति के साथ ही साथ ऊर्जा साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा और रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत धरातल पर उतारने के मामले में अपनी सहमति जताई। अमेरिका और भारत ने इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया है और दोनों देशों ने आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण को रोकने, खुफिया जानकारी साझा करने, वैश्विक आतंकवाद को राकने में सहयोग बढ़ाने की बात कही। ट्रम्प का कहना था कि कट्टरपंथी आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा है और इसे रोकने के लिए दोनों देशों का गठबंधन महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि अमेरिका में भारतीय समुदाय की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लॉस एंजिलिस और बॉस्टन में नये भारतीय वाणिज्य दूतावास खोले जायेंगे। इससे भारतीय प्रवासियों को कांसुलर सेवाओं का लाभ मिलेगा और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंध और मजबूत होंगे।

अडानी मामले में मोदी-राहुल आमने-सामने- अमेरिका में अडानी समूह को लेकर पूछे गये सवाल पर मोदी ने जो उत्तर दिया उसको लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में सवाल पूछो तो चुप्पी और विदेश में पूछो तो निजी मामला। अमेरिका में भी पीएम मोदी ने अडानी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया। जब मित्र की जेब भरना मोदी के लिए राष्ट्र निर्माण है तब रिश्वतखोरी और देश की सम्पत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। अमेरिका में जब मीडिया के सामने ट्रम्प और मोदी रुबरु हो रहे थे उस समय अडानी समूह को लेकर अमेरिका में चल रहे विवाद पर सवाल किया गया कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ कारोबारी गौतम अडानी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई है, तब मोदी का उत्तर था कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है, दुनिया को हम एक परिवार मानते हैं, हर भारतीय को भी मैं अपना मानता हूं, ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते हैं न बैठते हैं न बात करते हैं।

न्यायिक अकादमी में धनखड़- न्यायिक अकादमी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने साफतौर पर कहा कि हम एक सम्प्रभु राष्ट्र हैं, हमारी सम्प्रभुता लोगों में निहित है। लोगों द्वारा दिया गया संविधान इस सम्प्रभुता को अभेद्य बनाता है। किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को कैसे शामिल कर सकते हैं, हमारे देश में या किसी भी लोकतंत्र में क्या कोई कानूनी तर्क हो सकता है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को सीबीआई निदेशक के चयन में भागीदारी करनी चाहिये। क्या इसके लिए कोई कानूनी आधार हो सकता है मैं समझ सकता हूं कि यह विधायी प्रावधान इसलिए अस्तित्व में आया कि उस समयझ की कार्यकारी सरकार ने न्यायिक निर्णय को स्वीकार किया, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे फिर से देखा जाए। धनखड़ का कहना था कि हमारा संविधान सामंजस्य और सहकारी दृष्टिकोण की कल्पना करता है, न्यायिक सम्मान और विनम्रता यह मांग करती है कि ये संस्थाएं परिभा.

मेष राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर थोड़े उलझन में रहेंगे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं जागृत होंगी। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिस्थिति के अनुसार अपना व्यवहार रखें। इस राशि के छात्रों आज किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फार्म भरने का मन बनायेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बनेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है। इस राशि की महिलाएं नए कपड़े खरीदने के लिए शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। आप किसी काम में अच्छी परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां आपको मिलेंगी। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे। आपको सभी काम में उनका आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दांपत्य रिश्ते में नई ताजगी महसूस करेंगे। आज पहले किये हुए किसी कार्य का लाभदायक परिणाम मिलाने से आपको खुशी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों आज जन संपर्क कर सकते हैं। आज आप महत्वपूर्ण काम पूरा करने में सफल होंगे, जो भविष्य में आपको बड़ा फायदा देने वाला रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी।

कर्क राशि : आज का दिन महत्त्वपूर्ण रहेगा। आपकी सारी इच्छाएं पूरी होगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ शादी फिक्स हो सकती है। दोस्तों के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बन सकता है। बिजनेस के सिलसिले में आपका बाहर जाने का प्लान बन सकता है। घर में परिवार के साथ टाइम स्पेंड करने से रिश्तों में मजबूती बनी रहेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके मन में बहुत-सी सकारात्मक भावनाएं आएंगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। बेहतर होगा आज सामानों की लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। इस राशि के छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी नए कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या राशि: आज आपका दिन सुनहरे पल लेकर आया है। आज परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं काम करने में आसानी होगी। शाम को बच्चों के साथ समय बिताने पर आप राहत महसूस करेंगे। आज आप अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेलने जा सकते हैं। इम्युनीटी सिस्टम को बढ़ाने के लिए आप योगा कर सकते हैं। आप खुद को दूसरों के सामने साबित करने में सफल होंगे।

तुला राशि : आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आपको किसी अपनो से धन की प्राप्ति होगी। किसी नए काम की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ करें, लेकिन प्रयत्न में सतर्कता भी रखें। आज घर और काम में संतुलन बनाए रखेंगे। किसी व्यक्ति के प्रति चल रही नकारात्मक थिंकिंग आज समाप्त हो जायेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने में सफल होंगे। पैसों के लेन-देन में थोड़ा सतर्क रहें।

धनु राशि : आज का दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के राजनीतिक नेताओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आप लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं। आज किसी कार्य में आ रही समस्याएं समाप्त हो जाने से कार्य तय समय पर पूरा हो जाएगा। लोगों का विश्वास आपके ऊपर बना रहेगा। जरूरतमंद को खाना खिलाने से आपका मन खुश रहेगा।

मकर राशि : आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नए प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। पहले किये गये कामों से भी आज बेहतर परिणाम प्राप्त होगा। अधिकारी वर्ग आपके काम की तारीफ करेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े काम आज पूरे हो सकते हैं।

मीन राशि : आज का दिन कॉन्फिडेंस के साथ शुरू होगा। कार्यस्थल पर लोगों द्वारा प्राप्त हो रही जानकारी का इस्तेमाल अपने काम को बेहतरीन बनाने के लिए करने की आवश्यकता है। आज का दिन बाहर घूमने-फिरने में बीतेगा।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत व रचनात्मक विपक्ष जरूरी

प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर टीका-टिप्पणी व हंगामे के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं। सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। "विधेयक पर बातचीत करते हुए उसे समाप्त कर देना" या "विधेयक पर बात न करना" का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मज़बूत किया जाना चाहिए। तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके

जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की ज़रूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी। प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में विराट तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में कई अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट चैंपियंस ट्रॉफी में मैच विजेता पारियां खेलेंगे। विराट इस दौरान कई बड़े रिकॉर्ड बना सकते हैं। 297 एकदिवयीस मैचों में 13,963 रन बनाने वाले विराट के पास सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का अवसर है। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी में 37 रन बना लेते है तो वह एकदिवसीय में 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के पूर्व कप्तान

कुमार संगकारा ने ही एकदिवसीय में 14,000 से अधिक रन बनाए हैं। तेंदुलकर ने अपनी 350वें पारी में 14,000 रन का आंकड़ा पार किया था, जबकि संगकारा ने अपने 378 वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं कोहली ने अब तक सिर्फ 285 पारियां खेली है। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के भी बेहद करीब हैं। कोहली ने सभी फॉर्मेट में 545 मैच खेले हैं और 27,381 रन बनाए हैं। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी 103 रन बना लेते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। पोंटिंग ने 560 मैच खेले और 27,483 रन बनाए हैं विराट ने 2009 में भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में डेब्यू किया था. और अब तक खेले गए 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे बल्लेबाजों में विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं.। 263 रन बनाने के साथ ही वो वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्रिस गेल के 791 रनों का रिकॉर्ड तोड़कर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। विराट कोहली के निशाने पर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा पाचास रन बनाने का रिकॉर्ड भी होगा। अब तक खेले गए 13 चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबलों में उन्होंने पांच अर्धशतक बनाए हैं। अगर इस बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में दो अर्धशतक बना लिए तो वह राहुल द्रविड़ के सबसे ज्यादा अर्धशतकों 6 का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है.

साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेलना तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती

कोच जेलेजनी से मिली सलाह से हुआ लाभ, अब 90 मीटर तक भाला फेंकेंगे नीरज

नई दिल्ली। देश के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि नए कोच यान जेलेजनी से मिली सलाह से उन्हें काफी लाभ हुआ है और वह आने वाले समय में 90 मीटर तक भाला फेंक सकेंगे। ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने कहा कोच जेलेजनी से बात करने के बाद उनकी तकनीक में जो गलतियां पायी गयीं थीं उनका पता चल गया है और अब वह 90 मीटर के स्तर को हासिल करने के लिए कोच की सलाह के अनुसार थ्रो करने के तरीकों में कुछ बदलाव करेंगे। नीरज आजकल 90 मीटर के स्तर को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उनका सत्र मई में डाइमंड लीग के साथ शुरू होगा

और यह पूर्व ओलंपिक तथा विश्व चैंपियन जेलेजनी के साथ उनकी साझेदारी की प्रतिस्पर्धी शुरुआत होगी जिनके नाम भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड (98.48 मीटर) भी है। चोपड़ा ने कहा, 'मुझे लगता है कि 90 मीटर से अधिक का थ्रो वह जल्द ही फेंकेंगे। साथ ही कहा कि कोच ने मेरे खेल में कुछ तकनीकी बदलाव किए हैं। जिससे मुझे सहायता मिलेगी। मैं समझ पाया हूं कि वह मेरे से क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने मुझे जो गलतियां बताईं उनमें से एक यह थी कि मैं पेरिस में भी भाला बहुत नीचे फेंक रहा था और मेरा झुकाव बाईं ओर था। चोपड़ा ने कहा, 'अगर मैं उन बदलावों को शामिल करने में सक्षम रहा तो मुझे लगता है कि मैं बहुत जल्द बेहतर हो जाऊंगा। नीरज ने कहा कि मैं भाले को 90 मीटर से अधिक फेंकना चाहता हूं, हर कोई मानता है कि मैं ऐसा कर सकता हूं। उन्होंने ग्रोइन की चोट के बारे में भी बात की जिसने पिछले साल उनके सत्र को नुकसान पहुंचाया। चोपड़ा ने कहा, 'ग्रोइन की चोट लंबे समय से एक समस्या रही है। मैं अपनी चोट के कारण अपनी तकनीक में 100 प्रतिशत नहीं दे पा रहा था। मैं प्राग में जेलेजनी के डॉक्टर के पास गया और उन्होंने कुछ व्यायाम सुझाए। मैं उस पर काम कर रहा हूं, इसलिए उम्मीद है कि इससे मदद मिलेगी और मैं अपना 100 प्रतिशत दे पाऊंगा।

बांग्लादेश के खिलाफ चैंम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोंटिंग

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये। पोंटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी। पोंटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो

शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है। पोंटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरुरत होती है।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़े रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बड़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडज के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने शतक पूरा करने के लिए 31 गेंदें खेलीं थी। डीविलियर्स ने उस समय न्यूजीलैंड के

कोरी एंडरसन का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्होंने 2014 में विंडीज के खिलाफ 36 गेंदों पर शतक लगाया था। इस मामले में अभी भी ये रिकॉर्ड टेस्ट में एबी डिविलियर्स के नाम दर्ज है. आईपीएल में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड भी डीविलियर्स के नाम है जिन्होंने सर्वाधिक 25 बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया.दूसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं जो 22 बार मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत चुके हैं। डीविलियर्स ने 114 टेस्ट में 8765 रन बनाए हैं जिसमें 22 शतक और 46 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 228 एकदिवसीय में 9577 रन बनाए वहीं इस फॉर्मेट में उनके नाम 25 शतक और 53 अर्धशतक है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट लिमिटेड, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 2.88 प्रतिशत से लेकर 1.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ब्रिटानिया, सन फार्मास्युटिकल्स और टीसीएस के शेयर 2.37 प्रतिशत से लेकर 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,460 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

इनमें से 2,083 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 377 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 180.12 अंक टूट कर 75,787.27 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 75,581.38 अंक तक गिर गया, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक उछल कर 76,146.64 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 140.44 अंक की मजबूती के साथ 76,107.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 98.05 अंक की गिरावट के साथ 22,847.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक फिसल कर 22,814.85 अंक तक आ गया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 23,043.05 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 56.50 अंक की तेजी के साथ 23,001.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 29.47 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,967.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 14.20 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,945.30 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

ओला इलेक्ट्रिक के तेजी से गिर रहे शेयर, निवेशकों के 40 हजार करोड़ डूबे

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। यह कंपनी पिछले साल शेयर मार्केट में लिस्ट हुई थी। कंपनी ने अब तक निवेशकों का खूब पैसा डुबाया है। सोशल मीडिया पर कॉमेडियन कुणाल कामरा से हुई नोक-झोंक के बाद भाविश अग्रवाल की इस लिस्टेड कंपनी के शेयर तेजी से गिरे हैं। उस बहस में ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटरों में कई तरह की खामियों और फिर सर्विस को लेकर जद्दोजहद उजागर हुई थी। नतीजा कंपनी के शेयर नीचे गिर गए। भाविश अग्रवाल की कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में गिरावट जारी रहने से निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी के शेयर के उच्चतम मूल्यांकन के बाद से अब तक करीब 40 हजार करोड़ रुपए डूब चुके हैं। लिस्टिंग के बाद शुरुआती उछाल से 66 हजार करोड़ रुपए के मूल्यांकन वाली कंपनी का बाजार पूंजीकरण अब घटकर 26,187.81 करोड़ रुपए रह गया है। पिछले साल अगस्त में 76 रुपए प्रति शेयर पर अपनी शुरुआत करने वाले इस शेयर पर लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। यह मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 3 फीसदी से ज्यादा गिरकर 58.84 रुपए के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। बढ़ते घाटे और घटते राजस्व, मौजूदा सेवा-संबंधी मुद्दों और भारतीय शेयर बाजार में व्यापक

सुधार की चिंताओं ने शेयर में गिरावट में योगदान दिया है। पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर फर्म ने अपने कंसोलिडेटेड शुद्ध घाटे में 50 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की थी जो कि वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 376 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 564 करोड़ रुपए हो गया था। इस अवधि में फर्म का परिचालन राजस्व भी 19 फीसदी से घटकर 1,296 करोड़ रुपए से 1,045 करोड़ रुपए रह गया। अपने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने तिमाही के दौरान बढ़े हुए घाटे के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और सेवा चुनौतियों को जिम्मेदार ठहराया है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एग्रीगेटर ने दावा किया है कि सेवा संबंधी मुद्दों को ठीक कर लिया गया है और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान रखे है। पिछले साल दिसंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेक्टर में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 20 फीसदी से नीचे आ गई, जबकि जून 2024 में यह 49 फीसदी थी।

सोने चांदी की कीमतों में आई सुस्ती

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी रुक गयी। आज दोनों की कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट पर खुले। आज सोने के वायदा भाव 86,000 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 96,550 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद कमजोर पड़ गये। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट पर हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 55 रुपये नीचे आकर 86,058 रुपये के भाव पर खुला। ऐ समय यह अनुबंध 111 रुपये की गिरावट के साथ ही 86,002 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 86,059 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 85,980 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर

हासिल किया। सोने के वायदा भाव इसी महीने 86,360 रुपये के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचे थे।

दूसरी और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 282 रुपये की गिरावट के साथ 96,566 रुपये पर खुला। वहीं एक समय यह अनुबंध 298 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,550 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 96,690 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 96,422 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने व चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुलने के बाद नरम पड़ गए। कामेक्स पर सोना 2,954.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,949 डॉलर प्रति औंस था। दूसरी ओर कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.42 डॉलर के भाव पर खुले इसका पिछला बंद 33.37 डॉलर था।

रुपया गिरावट पर खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबल बुधवार को भारतीय रुपया 29 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.57 रुपये पर खुला। इससे पहले मंगलवार को रुपया 86.96 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवसय अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे नीचे आकर 86.96 पर आ गया। यह गिरावट विदेशी कोषों की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के चलते आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि डॉलर/रुपये की जोड़ी के लिए नकारात्मक रुझान है, क्योंकि विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली जारी रखे हुए हैं और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का समर्थन धीरे-धीरे कम हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा

के मुकाबले रुपया 86.94 पर खुला और फिर गिरकर 86.96 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे कमजोर होकर 86.88 पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक के उपायों और संभावित अमेरिकी शुल्क की अनुपस्थिति ने व्यापार संबंधी चिंताओं को कम कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां बनी हुई हैं। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 106.90 पर पहुंच गया।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किए बदलाव, असेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को समय सीमा में ही निवेश करें। साथ ही रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने को भी कहा है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच जवाबदेही और भरोसा तय करना है। सेबी ने 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि एनएफओ में मिली राशि का इस्तेमाल तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा की गई रकम को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के मुताबिक 30 दिनों में निवेश करने को कहा था। रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा में पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा

पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू (एनएवी) पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक फीसदी म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा। यह कर्मचारियों के पोस्ट या भूमिका के आधार पर होगा।

ब्लैक शॉर्ट्स पहन अवनीत कौर ने दिखाया कातिलाना लुक

शॉर्ट्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। टीवी इंडस्ट्री अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर कॉमेंट्स दिलखोलकर लाइक्स और करते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर ने ब्लैक कलर का टॉप और ब्राउन कलर के पहने हुए हैं। साथ ही एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के, हाथों में छोटा सा बैग, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस की निगाहें उन पर अटक गई हैं। अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइलिश लुक को फॉलो करते हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस को ट्रोल करते हुए लिखा है- इसको क्या हो गया। दूसरे ने लिखा है- पता नहीं कैसे-कैसे कपड़े पहन लेते हैं। तीसरे यूजर ने लिखा है- बेशर्मी की हद हो गई है। वहीं, कई यूजर्स ने तारीफ भी की है। अवनीत कौर ने कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए एक बार फिर से सोशल मीडिया का टैम्परेचर बढ़ा दिया है।

शिव कार्तिकेयन के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा

आगामी फिल्म के टाइटल संग एक्टर का फर्स्ट लुक आउट

तमिल एक्टर शिवकार्तिकेयन के 40वां जन्मदिन के मौके पर एक्टर को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं. इसी कड़ी में एसके23 के मेकर्स ने शिवकार्तिकेयन के जन्मदिन पर उनके फैंस को एक नया तोहफा दिया है. मेकर्स ने एसके23 का ऑफिशियल टाइटल जारी करते हुए एक्टर की पहली झलक दिखाई है. 17 फरवरी को एसके23 के डायरेक्टर एआर मुरुगादास ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ऑफिशियल टाइटल का पोस्टर साझा किया और फिल्म के हीरो शिवकार्तिकेयन को जन्मदिन की बधाई दी. उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हैप्पी बर्थ शिवकार्तिकेयन. बड़े पैमान पर एक्शन के लिए ग्राउंड तैयार है. तबाही शुरू. एसके23 का ऑफिशियल टाइटल मद्रासी है. पोस्ट के कैप्शन में टाइटल के ग्लिम्प्स का लिंक भी दिया गया. वहीं, शिवकार्तिकेयन ने भी अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारे फेवरेट एआर मुरुगादॉस सर और मेरे प्यारे अनिरुद्ध के साथ हमारी हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर, मद्रासी टाइटल की झलक पेश करने के लिए एक्साइटेड हैं. शिवकार्तिकेयन स्टारर को 5 भाषाओं तमिल, तेलुगू, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा. एसके23 का तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम टाइटल मद्रासी है. जबकि हिंदी में इसका टाइटल दिल मद्रासी है. मेकर्स द्वारा जारी किए गए टाइटल ग्लिम्प्स की शुरुआत एक जंग की तैयारी के साथ होती है. इसमें दमदार एक्शन, बम विस्फोट, गोलीबारी समेत कई हिंसक सीन दिखाए गए हैं. वहीं, विद्युत जामवाल की एंट्री ने ग्लिम्प्स में जान डाल दी हैं. गिटार बजाते हुए फिल्म की हीरोइन रुक्मिणी वसंत की भी झलक दिखाई गई है. इस सीन के बाद शिवकार्तिकेयन की एंट्री दिखाई गई है. वहीं आखिरी में शिवकार्तिकेयन की झलक दिखाई गई है, जो साइलेंट, लेकिन वायलेंट लुक में नजर आ रहे हैं. दिल मद्रासी को पहले एसकेएक्सएआरएम के नाम से जाना जाता था. एआर मुरुगादास की निर्देशित एक्शन फिल्म में शिवकार्तिकेयन अहम भूमिका में हैं. जबकि रुक्मिणी वसंत, बीजू मेनन, विद्युत जामवाल, विक्रांत को-स्टार के तौर पर नजर आएंगे.

खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की नादानियां का नया गाना गलतफहमी जारी

अभिनेता इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की फिल्म 'नादानियां के निर्माताओं ने इसका दूसरा ट्रैक 'गलतफहमी रिलीज कर दिया है। फिल्म का नया गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है। इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! 'गलतफहमी गाना रिलीज हो चुका है। 'गलतफहमी गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, 'गलतफहमी में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है। खुशी ने कहा, 'गलतफहमी ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह 'नादानियां एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कहा, हम दर्शकों से मिले प्यार के लिए आभारी हैं और इस प्यार भरे ट्रैक के बाद गलतफहमी को लेकर आए हैं, जहां खूबसूरती के साथ इमोशंस भरे पड़े हैं। हम एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे, जो आपको अपनी ओर खींचे, जो आपको अपनी भावनाओं के साथ थोड़ी देर बैठने पर मजबूर करे। मुझे उम्मीद है कि वे इससे उतना ही जुड़ेंगे जितना हमने इसे बनाते समय जुड़ाव महसूस किया था। शौना गौतम के निर्देशन में बनी 'नादानियां को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है। 'नादानियां में इब्राहिम अली, खुशी कपूर के साथ दीया मिर्जा और सुनील शेट्टी भी हैं। खुशी कपूर की यह तीसरी फिल्म है। वहीं, सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान इस फिल्म के साथ डेब्यू करने को तैयार हैं।

मुझे दुख पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने सोशल मीडिया पर नकारात्मकता का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा नहीं मानतीं और वह अब किसी को भी दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देतीं। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने कहा, मैं इन लोगों को अपने जीवन का हिस्सा भी नहीं मानती। व्यक्तिगत रूप से मैं किसी की पोस्ट पर नकारात्मक या सकारात्मक कमेंट करने में अपना समय बर्बाद नहीं करूंगी। यह बेकार है। लेकिन कुछ लोगों के पास नकारात्मक कमेंट करने के लिए इतना समय और एनर्जी होती है। मैं सच में नहीं समझ पाती कि वे इतने स्वतंत्र कैसे और क्यों हैं? अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे दिन भी आते हैं, जब वह उदास महसूस करती हैं और ऐसे में वह अपने माता-पिता से बात करना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अब किसी को भी मुझे दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। अब मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं, जो खुद को दुख पहुंचा सकती हूं। पहले मैंने लोगों को मुझे दुख पहुंचाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में माता-पिता के साथ दादी को महत्वपूर्ण स्थान देती हैं। उन्होंने कहा, अभी भी ऐसे दिन हैं, जब आपको लगता है कि आपको किसी की जरूरत है और मेरे लिए वह मेरी मां, पिता और मेरी दादी मां हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह सुर्खियों में रहने के बाद अपनी पर्सनल लाइफ को कैसे मैनेज करती हैं तो ईशा ने कहा, जब आप एक सेलिब्रिटी होते हैं और लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं, तो आपका जीवन निजी नहीं रह जाता है। लोग आपके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में आप जो भी करते हैं या जीवन में जो भी करना चाहते हैं, उसे लेकर आपको सावधान रहना होगा। कई बार मैं घर पर केवल आराम करना चाहती हूं। ईशा ने आगे कहा, मैं अपने आस-पास किसी भी पपराजी को नहीं चाहती। मैं बस अपने परिवार या स्कूल के दोस्तों के साथ रहना चाहती हूं, जो इस इंडस्ट्री से नहीं हैं। ऐसे दिन भी होते हैं, जब मुझे अपनी प्राइवेसी का सम्मान करने और उसे बनाए रखने की जरूरत महसूस होती है।

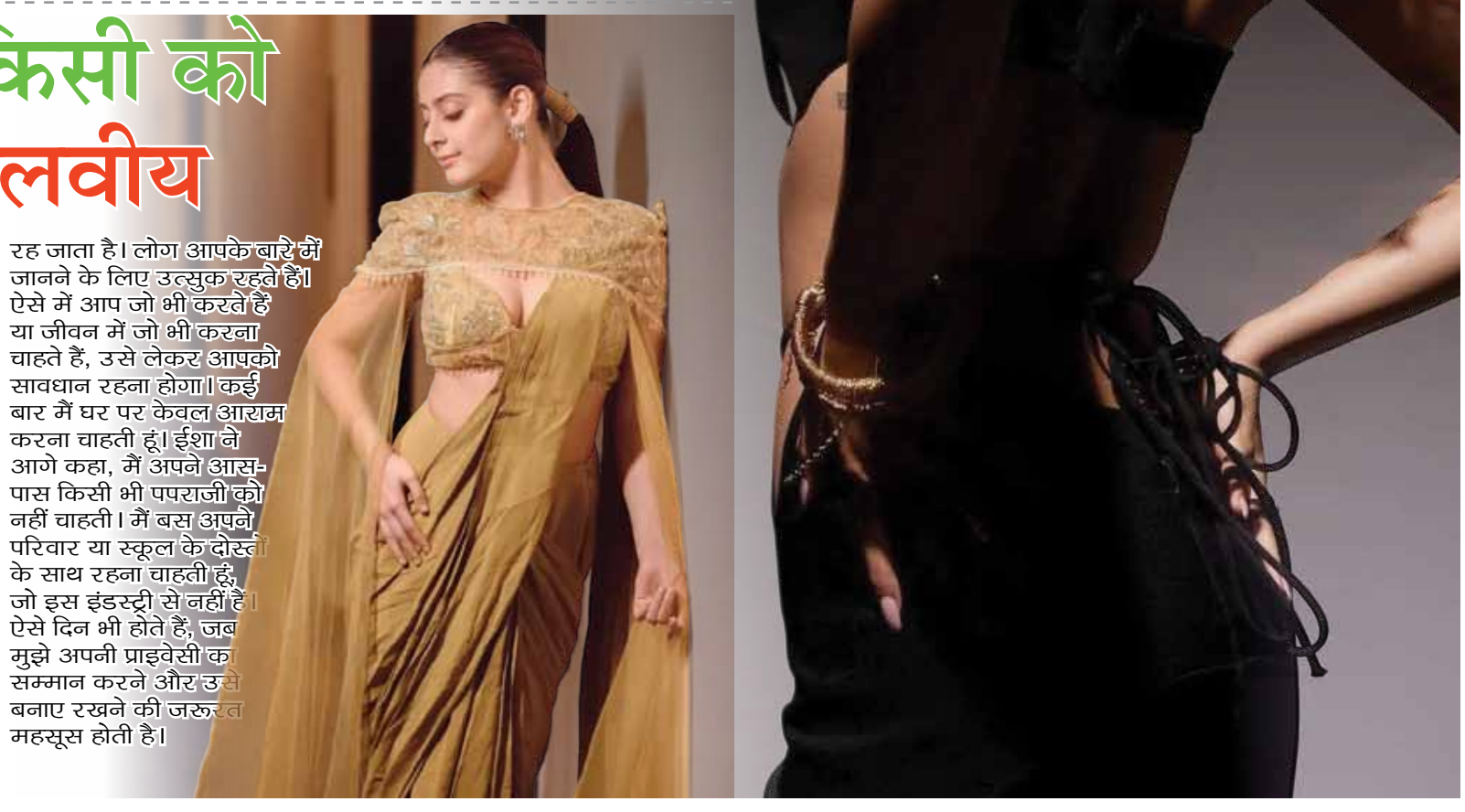

Delhi Chief Minister announcement soon; BJP may pick Baniya name, say sources

Preparations for February 20 oath ceremony in full swing at Ramlila Ground | *BJP to announce its Chief Minister after party MLAs' meeting today* | *Vijender Gupta, Rekha Gupta possible names as sources say Baniya face likely*

Agency: As the BJP prepares to announce the next Chief Minister of Delhi later today, sources indicate that the party may appoint someone from the Baniya community to lead the government in the national capital. Among the top contenders for the post, Vijender Gupta, Rekha Gupta, and Jitender Mahajan are from the Baniya community, which has a huge voter base in Delhi. The newly elected legislature party members of the BJP, which returned to power in Delhi after 27 years, will meet at the party's Delhi unit office on Wednesday to elect the Leader of the House. Delhi BJP president Virendra Sachdeva has confirmed that the Chief Minister's name will be announced today by the party's two central observers. "The PM, CMs of some states, the party's central leadership, auto-rickshaw drivers, labourers and a few known people from civil society will attend the oath ceremony tomorrow," he added. Vijender Gupta is a senior BJP leader who has served as the president of the party's Delhi unit and has consistently retained the Rohini seat, winning in both 2015 and 2020 despite AAP's dominance. He has also served as the Leader of the Opposition in the Delhi Assembly, with his experience and resilience making him a key figure in the party's leadership strategy. Rekha Gupta, an old RSS figure, who has been elected from Shalimar Bagh, is another prominent Baniya leader in the BJP. Her name gains prominence also amid speculation that the party may appoint a woman as Delhi's Chief Minister. Jitendra Mahajan, a prominent member of the Baniya community with strong ties to the RSS, secured his third term as an MLA in 2025 by defeating Sarita Singh to win the Rohtas Nagar seat. The Baniya community wields considerable influence in Delhi politics, owing to its substantial presence and economic strength. Historically engaged in trade and commerce, the community has leveraged its economic power into political clout. The community is believed to have played a crucial role in the February 5 Assembly elections, which dethroned the AAP government after a decade. AAP chief and former Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal also belongs to the Baniya community. Among other top contenders for the Chief Minister's post are Parvesh Verma, who defeated Arvind Kejriwal in the New Delhi constituency; Ashish Sood, a prominent Punjabi leader in the BJP who has served as a councillor and the general secretary of the Delhi BJP; and Virendra Sachdeva, the Delhi BJP president, under whose leadership the party secured a historic victory. Though the party has held a series of high-level discussions to finalise a name, the leadership has remained tight-lipped about its pick. Meanwhile, the preparations for the February 20 oath-taking ceremony are in full swing at the historic Ramlila Ground. Party leaders said the chief minister and the entire Cabinet will take the oath at a grand ceremony attended by Prime Minister Narendra Modi, Union minister and other dignitaries

Karnataka Lokayukta's clean chit to Siddaramaiah, his wife in Muda case

Agency: The Karnataka Lokayukta gave a clean chit to Chief Minister Siddaramaiah, his wife, and two others in the Mysore Urban Development Authority (Muda) site allocation case, with the anti-corruption watchdog set to submit a B-report citing lack of evidenceThe investigation concluded that the allegations were civil in nature and did not warrant criminal proceedings. sent to complainant Snehamayi Krishna, a journalist and social activist, informing him of the findings. He has been given a week to challenge the report before the designated magistrate. The Lokayukta's notice stated that the probe did not find sufficient proof to substantiate the charges and suggested that any discrepancies may have arisen from a misunderstanding of legal provisions. The complaint had accused Chief Minister Siddaramaiah and others of irregularities in Muda's site allotments and was filed under multiple sections of the Indian Penal Code, the Prevention of Corruption Act, the Benami Transactions (Prohibition) Act, and the Karnataka Land Grabbing Act. However, the Lokayukta's investigation found no criminal wrongdoing, leading to the submission of a final report exonerating the accused. Reacting to the development, complainant Snehamayi Krishna lashed out at the Lokayukta officials, alleging that they had acted under political influence. "Whatever I suspected about the Lokayukta officers has come true. They have sold their conscience, been influenced by politicians, and worked against their duty. Despite providing all kinds of evidence, they are falsely claiming a lack of proof." He further said, "They assert that there is insufficient evidence against all four accused - Siddaramaiah, his wife, Mallikarjun, and Devaraj - and intend to file a 'B report' on the case. Moreover, they have even issued a notice to me. It is shameful that an educated IPS officer has conducted such an investigation. I have only studied up to the 10th grade, but I will ensure that Siddaramaiah is brought to justice and punished under the law." Leader of Opposition R Ashoka also hit out at the Lokayukta's findings, calling it a "clean chit guarantee machine" under the Siddaramaiah-led government. In a post on X, he said, "The Lokayukta investigation in the MUDA land scam was an investigation of Siddaramaiah, by Siddaramaiah, and for Siddaramaiah. Congress ministers and MLAs had given a clean chit to the CM and his wife even before the investigation had begun. So it is no surprise that the Lokayukta police has now submitted a B report giving a clean chit to the CM and his wife. Neither the people of Karnataka expected that the Lokayukta investigation would bring justice in this case."

Taking aim at Siddaramaiah, Ashoka further added, "CM @ siddaramaiah avare, your desperate efforts to bury the truth and jeopardise justice will not succeed. Justice may have been delayed but won't be denied. Truth and truth alone will win."

Despite the clean chit, the Lokayukta said that compensatory land allotments made by Muda between 2016 and 2024 will still be scrutinised.

Union Minister Ravneet Bittu alleges misbehaviour by Chandigarh Police, scuffle erupts

Agency: Union Minister Ravneet Singh Bittu has alleged that he was misbehaved with by Chandigarh Police officers outside the Punjab Chief Minister's residence. Bittu had visited the residence to meet CM Bhagwant Mann and court arrest in protest against alleged false cases filed by the Punjab Police against his two friends in Patiala and Ludhiana. However, Bittu claimed that he was not allowed to enter the residence by the CM's security personnel. He then tried to enter through another gate but was stopped again. Bittu has lodged a complaint with the UT police, alleging that he was subjected to verbal and physical abuse by the police officers. He named Deputy SP Uday Pal Singh and his team, including two assistant sub-inspectors and three constables, in his complaint. According to Bittu, the police officers blocked his car cavalcade and got into a physical altercation with his security officials. He has demanded immediate action against the responsible officers and has offered to provide video evidence of the incident.

Mohammad Shami took dip at Kumbh: Yogi Adityanath

Agency: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath defended his government's handling of the Maha Kumbh Mela in Prayagraj, emphasising the scale of arrangements and dismissing opposition criticism as politically motivated. He said that people from all castes and religions were welcomed at Kumbh and said that even cricketer Mohammad Shami took the ritual bath.

"There was no discrimination against anyone at Maha Kumbh in Prayagraj. Cricketer Mohammed Shami also took the holy dip. People from different caste, creed and religion, if they have come with devotion in heart, they have also taken the holy dip. Yes, those who came to tease (mock faith), they were scolded and sent away," Yogi Adityanath said in Uttar Pradesh Vidhan Sabha. Soon after, Samajwadi Party president Akhilesh Yadav took a veiled jibe at the BJP and Yogi Adityanath and asked if "the cricketer's name has also been changed".

The jibe referred to the BJP government renaming several Muslim cities, places, and historical structures. Recently, the Uttar Pradesh government removed the name of 1965 war hero Abdul Hamid from his school in Ghazipur district and 'PM Shri Composite School' was painted at the entrance. Akhilesh Yadav had slammed described the act as "extremely reprehensible", adding that all that remains for "some people" is to rename "India" as "BJP"

Why tickets were sold beyond limit? Court raps Railways over Delhi stampede

Agency: The Delhi High Court on Wednesday came down heavily on the Railways over the stampede at the New Delhi railway station that killed 18 people, and questioned the need for selling tickets exceeding the capacity of passengers in a coach. A division bench of Chief Justice DK Upadhyay and Justice Tushar Rao Gedela made the observation while hearing a plea seeking safety measures to prevent stampedes at railway stations in the future.

"If you fix the number of passengers to be accommodated in a coach, then why do you sell? Why does the number of tickets sold exceed that number? That is a problem," it said. "Are you aware of how many lakhs of people were at the station that day? Infrastructurally it may not be possible to control that kind of crowd. The subsequent measures were taken. It is not something like a railway accident to claim negligence," Justice Gedela said.

Citing Section 57 of the Railways Act, the High Court ordered the Railways to examine the fixing of maximum passengers and the sale of platform tickets.

"If you implement a simple thing in a positive manner in letter and spirit, such a situation can be avoided. On rush days you may increase that number to accommodate the rush depending on exigencies which keep on arriving from time to time. But not fixing the strength to be accommodated in a coach, this provision appears to have been neglected all along," it said. The petitioner stated, "If we go to the station right now, we will see a lot of crowds without platform tickets and train tickets.

3 women Naxalites killed in encounter in MP Balaghat

Agency: Three women Naxalites were killed on Wednesday in an encounter with the police in Madhya Pradesh's Balaghat district, an official said. The anti-Naxal Hawk Force of the state police and local police teams took part in the operation that took place in a forested area near the Chhattisgarh border, said additional superintendent of police Vijay Dabar. The gun battle took place in the morning, at a location some 90 km from the district headquarters, and more details were awaited, Dabar told PTI.

"Hawk Force and the police neutralised three hardcore Naxalites in an encounter near Ronda Forest Camp in Supkhar Forest Range under Garhi Police Station area," an official statement said. Police recovered an INSAS rifle, a Self-Loading Rifle (SLR) and a .303 rifle, it said, adding that some Naxalites were injured in the encounter, but managed to escape. Lokayukta police say no evidence against Siddaramaiah, wife in MUDA land scam case' Twelve police teams are carrying out a combing operation to track them down, the statement added.

1 dead, 10 injured after Kumbh returnees' car crashes into parked bus in UP

Agency: A woman died and 10 others were injured after a high-speed traveller carrying devotees returning from the Maha Kumbh Mela crashed into a parked bus in Fatehpur district of Uttar Pradesh. The incident occurred on National Highway 2 early Wednesday morning. The driver of the mini traveller is suspected to have fallen asleep at the wheel, causing the vehicle to crash into the parked bus. According to the police, the devotees were from Maharashtra and Karnataka and were returning after taking a holy bath at the Maha Kumbh in Prayagraj. The victim has been identified as Dharak Saini, 55, from Baragaon district of Karnataka. The condition of the injured is said to be serious.

iPhone 17 Pro is said to get one major upgrade in charging

Agency: Apple's upcoming iPhone 17 Pro could get a major upgrade in charging technology, with reports suggesting that the company is testing wireless reverse charging for the device. According to a leak from Instant Digital on Weibo, this new feature would enable the iPhone 17 Pro to wirelessly charge other Apple devices like AirPods or the Apple Watch. The leaker claims that Apple is experimenting with a 7.5W wireless reverse charging capability for these models. Reverse wireless charging has been a long-rumoured feature for iPhones, and Apple introduced a limited version of it with the release of the MagSafe Battery Pack in 2021. When attached to a charging iPhone, the device could power the battery pack, marking the first instance of an iPhone delivering power to an accessory. However, Apple discontinued the MagSafe Battery Pack in 2023 with the launch of the iPhone 15 series, which switched to USB-C.

'Illegal alien deportation flight': White House posts video of immigrants in shackles

Agency: In India, several deportees shared their agonising experiences, stating that they were subjected to physical restraints—both handcuffs and leg chains—throughout their flight from the US back to India, only being unshackled after arrival in Amritsar. This experience, which they described as traumatic, has raised concerns about the treatment of deportees and the ethics behind such visual representation. Amid the backlash, the White House on Tuesday posted a video showing immigrants in shackles, preparing to board a deportation flight from Seattle in the United States. The 41-second video, posted on X, shows a man putting on handcuffs and chains on some immigrants. It also shows a close-up of a man having his handcuffs linked together, a man's feet in chains as he walks up a stairway to a plane, and a man about to board the aircraft. The video did not show the faces of any of the men. The White House captioned the video "ASMR: Illegal Alien Deportation Flight." Before the White House, the video was shared by the Seattle office of the US Immigration and Customs Enforcement agency, which captioned it "Removal Flight" and wrote, "A group of undocumented aliens are flown from Seattle as part of a process to finalise return to their home countries."

Also , Elon Musk reposted to the White House tweet, writing, "Haha Wow" The video has sparked a debate over the responsibilities of governments in handling such sensitive matters and has being widely criticised.

Google opens new office Ananta in Bengaluru, here is your first look at it

Google has officially opened Ananta, its newest and one of its biggest campuses globally, in Bengaluru. Situated in Mahadevapura, the campus marks another step in the company's long-standing presence in India. Ananta is designed to support teams working across various Google services, and with the launch of this large office space, Google now has over **10,000** employees across multiple locations in India, including Bengaluru, Hyderabad, Gurugram, Mumbai, and Pune. India has always been a crucial market for Google, with the company investing heavily to expand

internet access and digital services. The Ananta campus, meaning limitless in Sanskrit, spans **1.6** million square feet and can accommodate over **5,000** employees. Various Google teams working on Android, Search, Pay, Cloud, Maps, Play, and DeepMind, among others, will operate from this new space. "As India has charted an ambitious new reality for its citizens with technology, Google has been its proud partner over the last **20** years. The new Ananta campus in Bengaluru marks a significant milestone in our journey, marking the technological paradigm shift

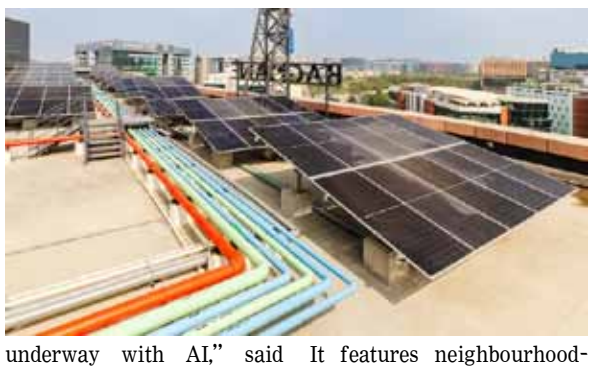

underway with AI," said Preeti Lobana, Vice President and Country Manager, Google India. Google says Ananta has been built to encourage collaboration while offering quiet spaces for focused work. The layout is structured like a city grid, with clear pathways making it easy to navigate. It features neighbourhood-style workspaces, small booths for privacy, and a central gathering space called Sabha for discussions and events. The sculpted form of the building not only enhances aesthetics but also improves access to natural light and views.